mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-140 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 मई 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पीवी सिंधु पहले ही..
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी भारत-जापान की साझेदारी

तोक्यो (एजेंसी)। भारत और जापान के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी अब पहले से और अधिक मजबूत होने जा रही है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बृहस्पतिवार को जापान के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद के प्रति भारत की %जीरो टोलरेंस% नीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा। साथ ही दोनों देशों के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की। जापान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मिसरी ने जापान के वरिष्ठ उप विदेश मंत्री हिरोयुकी नमाजू से मुलाकात की। इस दौरान ÷हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग और साझा हितों के अन्य विषयों पर चर्चा÷ की गई। इसके अलावा विदेश सचिव ने जापान के विदेश मामलों के उपमंत्री ताकेहिरो फुनाकोशी से भी मुलाकात की। दूतावास के अनुसार, ÷इस बैठक में भारत-जापान विशेष

रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने तथा आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को रेखांकित किया गया। मिसरी की यह यात्रा पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक संपर्क मुहिम का हिस्सा है, जो हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तेज़ी से आगे बढ़ाई जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य दुनिया भर में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के खिलाफ कड़े रुख को साझा करना है। भारत ने हाल में पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) में आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित सैन्य कार्रवाई की थी, जिसके बाद वह अपने रुख को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय रूप से साझा कर रहा है।

पोप लियो 14वें ने गाजा पर दिया पहला बड़ा बयान

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। यूरोप के इतिहास में पहली बार पोप बने अमेरिकी नागरिक पोप लियो 14वें ने बुधवार को वेटिकन सिटी स्थित प्रसिद्ध सेंट पीटर्स स्क्वायर में गाजा युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। पोप ने अपनी पहली साप्ताहिक जनरल ऑडियंस (आम सभा) की अध्यक्षता के अवसर पर गाज़ा पट्टी में मानवीय सहायता के तत्काल प्रवेश और वहां चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिल से अपील की है। पोप लियो 14वें ने इस दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं गाज़ा में सम्मानजनक मानवीय सहायता की अनुमति देने और शत्रुता को समाप्त करने की

अपनी अपील दोहराता हूं, जिसकी कीमत बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को चुकानी पड़ रही है। यह हृदयविदारक है। वेटिकन के अनुसार, इस पहली आम सभा में करीब 40,000 लोग उपस्थित थे। वहीं, पोप लियो 14वें के हाल ही में हुए उद्घाटन समारोह में लगभग 2 लाख श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया था। पोप ने सभा की शुरुआत अपने सर्वाधिक चर्चित संदेश ÷शांति आपके साथ हो÷ के साथ की। पोप लियो 14वें के नाम से जाने जाने वाले शिकागो के पूर्व कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट ने सभा के दौरान विभिन्न देशों से आए तीर्थयात्रियों का विशेष रूप से स्वागत किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया। पोप लियो 14वें ने मंगलवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम वार्ता के अगले चरण की मेजबानी करने की वेटिकन की इच्छा दोहराई।

मध्य प्रदेश में 6 अमृत स्टेशन का पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर से देशभर के 103 अमृत स्टेशनों का लोकार्पण किया। इनमें मध्यप्रदेश के 6 स्टेशन नर्मदापुरम, कटनी, ओरछा, सिवनी, शाजापुर और श्रीधाम शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि जल्द ही मध्य प्रदेश में भी रेलवे कोच का निर्माण शुरू होगा। राज्य सरकार ने बीईएमएल को रेल कोच निर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए जमीन उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही उन्होंने पचमढ़ी का पर्यटन विकसित करने और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का भी वादा किया। 103 अमृत स्टेशनों का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में विकास का महायज्ञ चल रहा है। हमारी सड़कें और रेलवे नेटवर्क विकसित हो, इसके लिए 11 सालों में अभूतपूर्व काम हुआ है। विकास कार्यों पर देश पहले से 6 गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। चिनाब नदी पर बना रेलवे ब्रिज, मुंबई में अटल सेतु, दक्षिण में पंबन ब्रिज देखने को मिलेगा। भारत अपनी ट्रेनों के नेटवर्क को आधुनिक कर रहा है। वंदेभारत, अमृत ट्रेन और नमो ट्रेनें भारत की नई गति को दर्शाती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर में भारत माता के जयकारों के साथ संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि देश के 70 रुटों पर वंदेभारत ट्रेन चल रही हैं। 34 हजार किलोमीटर से ज्यादा के नए रेल ट्रैक बिछाए गए हैं। ब्रॉडगैज ट्रैकों पर मानव रहित क्रॉसिंग अब इतिहास बन चुकी है। देश में पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

दिल्ली को नई जेलों की तलाश

नरेला में बनेगी नई हाई-सिक्योरिटी जेल, तिहाड़ को शिफ्ट करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार तिहाड़ जेल में कैदियों की संख्या को कम करने की दिशा में वैकल्पिक सुविधाओं की तलाश में है। इस दिशा में सरकार के गृह विभाग ने भूमि स्वामित्व वाली विभिन्न एजेंसियों जैसे- भूमि एवं विकास कार्यालय, राजस्व विभाग और दिल्ली विकास प्राधिकरण (ष्ठ) के अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों का मकसद तिहाड़ के मौजूदा परिसर को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने और नए जेल परिसर के विकास के लिए भूमि की तलाश करना है, जैसा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने बजट भाषण में घोषणा की थी।

एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिकारी मौजूदा सुविधाओं को देखने और कैदियों की भीड़ को कम करने के तरीकों पर विचार करने के लिए अगले सप्ताह तिहाड़ का दौरा करेंगे। दौरे के दौरान वे देखेंगे कि नए जेल परिसरों के बनने तक तिहाड़ में मौजूदा सुविधाओं के हिसाब से भीड़भाड़ को कैसे कम किया जा सकता है।

दरअसल, तिहाड़ में कैदियों की क्षमता दोगुनी से भी ज्यादा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तिहाड़ जेल की क्षमता 5,200 कैदियों की है, लेकिन वर्तमान में इसमें 12,945 कैदी बंद हैं, जो इसकी क्षमता से दोगुने से भी अधिक है। तिहाड़ को 9 केंद्रीय कारागारों में से सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक माना जाता है।

कैदियों की भीड़ कम करने की योजना के तहत, दिल्ली सरकार ने नरेला में एक नई उच्च सुरक्षा वाली जेल के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस जेल का वास्तुशिल्प डिजाइन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की ऐतिहासिक %सेलुलर जेल% से प्रेरित होगा। एक अधिकारी ने बताया कि नरेला जेल भी तिहाड़ के कैदियों की भीड़ को कम करने का एक हिस्सा है। निविदा जारी होने के बाद सरकार की योजना 21 महीने में इस जेल को तैयार करने की है।

भोपाल-रीवा वंदे भारत से टकराए लोहे के सरिए, कई कोचों की खिड़कियां टूटीं

रीवा (एजेंसी)। भोपाल से रीवा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बड़े हादसे का शिकार होते-होते बची है। वंदे भारत एक्सप्रेस से पटरियों के पास ही बन रहे निर्माणाधीन ब्रिज के सरिए टकरा गए जिसके बाद ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। इस घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। ये हादसा दोपहर

करीब पौने 4 बजे औबेदुल्लागंज स्टेशन के पास हुआ। बताया जा रहा है कि रेलवे की गति शक्ति परियोजना के तहत पुल निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माणाधीन पुल के सरिए तेज आंधी के कारण तिरछे होकर ट्रैक की ओर मुड़ गए थे। इसी बीच वंदे भारत एक्सप्रेस तेज रफ्तार से गुजरी। मुड़े सरिए ट्रेन के कोच से टच हो गए। इस कारण कोच ष्ट-3 से ष्ट-7 तक के कोच सरिए से रगड़ते हुए निकले। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोकी। ब्रेक लगने से यात्री डर गए। हादसे के बाद लोहे के सरिये वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के कोच में फंस गए थे जिन्हें काटकर अलग किया गया है। ट्रेन की खिड़कियों के कांच टूट गए हैं। इस घटना के कारण यात्रियों में हड़कंप मच गया और काफी देर तक ट्रेन रूकी रही। ये भी बताया जा रहा है कि ब्रिज की निर्माण सामग्री पर ढंका तिरपाल तेज हवा और आंधी से उड़कर ओएचई लाइन पर लिपट गया।

देश में बढ़ते कोरोना के मामले के बीच मास्क पहनना अनिवार्य

सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी

विजयवाड़ा (एजेंसी)। देश के कुछ राज्यों में कोरोना के मामले में धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश सरकार ने पुष्टि की है कि प्रदेश में कोरोना के कोई एक्टिव मरीज नहीं है। जबकि पड़ोसी राज्यों में मामले फिर से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग ने एहतियातन सार्वजनिक परिवहन और शॉपिंग मॉल, सिनेमा, पूजा स्थल और बाजारों जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। सामान्य लक्षणों जैसे बुखार, खांसी, जुकाम और गले में खराश होने वाले व्यक्तियों को डॉक्टर्स से संपर्क करने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे जांच करवाएं और लक्षण दिखने पर कम से कम एक सप्ताह के लिए खुद को अलग रखें। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से गर्भवती महिलाओं, पांच साल से कम उम्र के बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक विशेष सलाह जारी की गई है। उन्हें यात्रा सीमित करने और सख्त स्वच्छता प्रथाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सरकार ने जारी की ये एडवाइजरी: प्रार्थना सभा, सामाजिक समारोह, पार्टियां, समारोह आदि जैसे सभी सामूहिक समारोहों को रोकें। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और हवाई अड्डों पर सभी लोग कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करें। बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक) और गर्भवती महिलाओं को सख्ती से घर के अंदर रहने की सलाह दी जाती है। नियमित रूप से हाथ धोएं। खाँसते/छींकते समय मुंह ढंकें और अपने चेहरे को छूने से बचें। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मास्क पहनें। यदि आप भीड़भाड़ वाले या खराब हवादार स्थान पर हैं, तो मास्क पहनने से वायरस के प्रसार को कम करने में मदद मिल सकती है।

यूपी में आकर्षण का केंद्र बनी शादी

फ्लाइट से आया 3 फीट का दूल्हा, ढाई फुट की दुल्हन की मांग में भरा सिंदूर

कौशाम्बी (एजेंसी)। यूपी के कौशाम्बी जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अनोखी शादी संपन्न हुई है। इस शादी समारोह में तीन फीट के दूल्हे और ढाई फीट की दुल्हन की शादी कराई गई। दूल्हा-दुल्हन कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इस शादी में दोनों के परिजन भी शामिल हुए। भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शादी समारोह में 321 जोड़ो का शादी के लिए रजिस्ट्रेशन हुआ था। जिसमें से 4 अल्पसंख्यक समाज सहित कुल 300 जोड़ों को शादी संपन्न कराई गई है। शादी के दौरान सभी नव विवाहित जोड़ों को शासन द्वारा निर्धारित दहेज का सामान भी दिया गया है। इस कार्यक्रम में तीन फीट के युवक और ढाई फीट की युवती की भी शादी कराई गई। युवक जितेंद्र पटेल मुंबई में फ्रूट का काम करता है। वह मुंबई से बुधवार को फ्लाइट से लखनऊ आया। इसके बाद कौशाम्बी शादी करने आया। तीन फीट यह युवक जितेंद्र पटेल प्रतापगढ़ जनपद का रहने वाला

है। वहीं, ढाई फीट की युवती हीरामणि पटेल नगर पालिका परिषद भरवारी क्षेत्र की रहने वाली है।

दूल्हे के बड़े भाई राजेंद्र ने बताया कि वह और उसका भाई मुंबई में रहकर फ्रूट का काम करते हैं। कुछ दिनों पहले एक डलिया बेचने वाला व्यक्ति हमारे गांव आया हुआ था और उसी दौरान बात-बात में चर्चा हुई और एक ऐसी ही छोटे कद की लड़की के बारे में उन्होंने बताया। इसके बाद हम लोग लड़की के परिजन से बात किए और मुलाकात कर रिश्ता तय कर दिए।

नगर पालिका परिषद भरवारी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित हो रहा था। लड़की वालों ने कहा कि हमारे पास इतना व्यवस्था नहीं है कि हम शादी अच्छे से कर सकें। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शादी का प्रस्ताव दिया, जिसे हम लोगों में स्वीकार कर लिया और तत्काल जितेंद्र को उसकी शादी तय होने के बारे में बताया और तत्काल फ्लाइट का टिकट कर उसे बुधवार को बुला लिया गया। जितेंद्र मुंबई से फ्लाइट पकड़कर लखनऊ आया और उसके बाद घर पहुंचा।

मेजर आशीष दहिया शौर्य चक्र से सम्मानित

पुलवामा में बन गए थे आतंकियों का काल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजर आशीष दहिया को गुरुवार के दिन राष्ट्रपति भवन में शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार मिलने की घोषणा गणतंत्र दिवस के मौके पर ही हो गई थी। अब राष्ट्रपति ने उन्हें सम्मानित किया। जून 2022 से, मेजर आशीष दहिया ने पांच उच्च जोखिम वाले अभियानों में चार कट्टर आतंकवादियों और तीन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को बेअसर करने में योगदान दिया है। दो जून 2024 को, मेजर दहिया ने पुलवामा जिले के एक गांव में सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध अभियान का नेतृत्व किया था।

आंतकियों के खिलाफ अभियान में तलाश के दौरान, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड फेंक कर भागने का प्रयास किया, जिस पर मेजर दहिया ने सटीक जवाब दिया और भाग

रहे आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। भीषण गोलीबारी के बीच, आतंकवादी ने एक ग्रेनेड फेंका, जिससे उनके ऑपरेशन साथी को छर्रे लग गए। मेजर दहिया ने अपनी जान की परवाह किए बिना तुरंत रेंगकर अपने साथी को ढक लिया।

साथी की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाला

अपने साथी को ढंकने के बाद, अपने सैनिकों के लिए खतरे को भांपते हुए, मेजर दहिया ने बेजोड़ फील्ड क्राफ्ट का प्रदर्शन किया और शुरुआती खतरे को खत्म करने के बाद, उन्होंने खुद को आतंकवादियों की गोलीबारी के सामने खुद को और ज्यादा खतरे में डाला और अपने घायल साथी को सुरक्षित निकालने में मदद की, जिससे उसकी जान बच गई। निडर साहस, लोगों और मिशन के प्रति निस्वार्थ प्रतिबद्धता, साहसिक योजना और एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन के निर्भीक निष्पादन के लिए, मेजर आशीष दहिया को शौर्य चक्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भाई-पत्नी और पिता भी सेना से जुड़े

आशीष दहिया का परिवार हमेशा से ही देशसेवा में लीन रहा है। उनके पिता आर्मी में लांस नायक थे। उनके भाई अनीश भी सेना में मेजर के पद पर हैं। वहीं, आशीष की पत्नी अनुषा भी भारतीय सेना का हिस्सा हैं। आशीष मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले हैं। उनको यह सम्मान मिलने से गांव में खुशी का माहौल है।

दोस्त ने लगाया था पेन चोरी का आरोप, 2 साल बाद लिया खौफनाक बदला

मऊगंज (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में नाबालिग युवक के हत्या की दिल दहलाने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक पेन की चोरी के आरोप में दोस्त ने प्लानिंग कर के 2 साल बाद अपने ही दोस्त की हत्या कर दी है। हत्या करने के बाद युवक के शव को जल प्रपात में फेंक दिया गया। युवक का कंकाल 1 महीने बाद बरामद हुआ था। अब पुलिस ने इस पूरी

वारदात का खुलासा कर दिया है। इस वारदात में शामिल नाबालिग समेत 3 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मऊगंज एसपी दिलीप सोनी ने नाबालिग युवक की हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है। उन्होंने बताया है कि बीते 9 अप्रैल से लापता नाबालिग युवक का शव कंकाल के रूप मे 9 मई को मऊगंज के बहुती जल प्रपात से बरामद हुआ था। पुलिस की टीम ने मृतक के कपड़ों से उसकी पहचान की थी। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौप दिया गया था। एक माह से वारदात की जांच मे जुटी पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे थे जिसके बाद पुलिस वारदात में शामिल नाबालिग के कातिल दोस्त और उसके अन्य साथियों तक पहुंच गई।

पाकिस्तानी जासूसों के संपर्क में थी ज्योति मल्होत्रा, हर एंगल से जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। काले शीशे वाली स्कॉर्पियों कार और पुलिस के पुख्ता इंतजाम के बीच ज्योति की हिसार कोर्ट में पेशी हुई। किसी कैमरे को ज्योति के पास जाने नहीं दिया गया। ज्योति को कोर्ट में कैमरे से बचाकर गाड़ी से नीचे उतरा गया। ज्योति

● ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में पेशी हुई

मल्होत्रा को 26 मई तक रिमांड पर भेजा गया है। ज्योति से एक साथ चार-चार एजेंसियां और पुलिस पूछताछ कर रही है। ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी 16 मई को हुई थी।ज्योति मल्होत्रा का केस बहुत सेंसेटिव है। बात सीधे-सीधे नेशनल सिक्योरिटी की है। इसलिए पुलिस हर एक छोटी सी छोटी डिटेल को वैरिफाई करना चाहती है। ज्योति के वीडियो ब्लॉग से लेकर उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप सबकुछ खंगाल रही है और जब इस तरीके से डिटेल इंवेस्टिगेशन होती है तो फिर उसमें टाइम लगता है।

अब तक की जांच से खुलासा हुआ है कि जब इंडिया और पाकिस्तान में तनाव चल रहा था। तब ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तानी जासूसों के संपर्क में थी। ज्योति के 3 मोबाइल फोन और लैपटॉप को पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। जिसकी रिपोर्ट भी अगले एक दो दिन में आ सकती है। रिपोर्ट आने के बाद रिमांड में पुलिस फोरेंसिक रिपोर्ट से ज्योति का आमना-सामना करवाएगी।

ज्योति इंडिया में जितने लोकेशन पर गई थी... फिर चाहे वो जम्मू कश्मीर हो ... बॉर्डर का आखिरी गांव हो ... राजस्थान पाकिस्तान बॉर्डर हो या फिर मुंबई और अयोध्या ही क्यों ना हो... हरियाणा पुलिस ने हर एक स्टेट की पुलिस से संपर्क किया है। और अगर जरूरत पड़ी तो फिर दूसरे राज्यों की पुलिस को बुलाकर भी पूछताछ करवाई जा सकती है।

ज्योति मल्होत्रा जासूसी कांड में एक के बाद एक नये खुलासे हो रहे हैं। जिस दानिश के साथ ज्योति इफ्तार पार्टी के दौरान पाकिस्तानी दूतावास में दिखी थी। जिस पाकिस्तानी दानिश को ज्योति का हैंडलर बताया जा रहा था... उसी दानिश के पाकिस्तानी जासूस होने की बात पुख्ता हो चुकी है।

पुलिस ज्योति मल्होत्रा केस की जांच हर एक एंगल कर रही है। कड़ियों को जोड़ने और सबूतों को जुटाने का काम चल रहा है। और अब रडार पर ज्योति के स्पॉन्सर भी आ गए हैं। ज्योति अपने यूट्यूब वीडियो में wego app का भी प्रचार करती दिखाई दी है। 2द्गद्दश् ऐप मिडल ईस्ट बेस्ड कंपनी है, जो पाकिस्तान में भी ऑपरेट करती है।

ज्योति मल्होत्रा पर जो सवाल उठ रहे हैं उसमें सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिरकार ज्योति मल्होत्रा तीन बार पाकिस्तान क्यों गई ? उसके वीडियो में पाकिस्तान को इतना प्रमोट क्यों किया जा रहा था ? उसने पाकिस्तान में जाकर क्या-क्या किया ? हर कोई यही सवाल बार-बार पूछ रहा है?

जब हमने ज्योति मल्होत्रा के TRAVEL WITH JO पेज को खंगाला तो हमारे हाथ एक एक्सक्लूसिव वीडियो और कुछ जानकारियां हाथ लगी। ज्योति मल्होत्रा और उसका परिवार दोनों कुछ बातों को छिपा रहा है...ज्योति और उसके परिवार में से कोई एक सच बोल रहा है।

संजय एवं बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व की टीमों ने किया उत्पात मचाने वाले हाथी का सफल रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गत् दिवस जंगली हाथी (टस्कर) उत्तर शहडोल डिवीजन से संजय टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में ब्योहारी रेंज होते हुए प्रवेश कर गया। उक्त हाथी के उत्पात से शहडोल डिवीजन में तीन जनहानियां हुईं थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हाथी निगरानी टीम को तुरंत सतर्क कर निरंतर निगरानी व रेस्क्यू प्रबंधन के निर्देश दिए गए। टीम के उत्कृष्ट प्रयासों के चलते हाथी को रेस्क्यू कर सुरक्षित रूप से पाँडी हाथी शिविर तक सफलतापूर्वक पहुँचा दिया गया। संजय एवं बांधवगढ़ दोनों टाइगर रिज़र्व की संयुक्त टीमों ने हाथी का आकलन कर रेस्क्यू प्रक्रिया पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। संजय एवं बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के फील्ड डायरेक्टर्स के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। दोपहर लगभग 2 बजे यह हाथी सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। हाथी को परीक्षण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया के लिये बांधवगढ़ हाथी शिविर में भेज दिया गया है।

बाल आयोग की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सागर में मप्र बाल आयोग की कार्रवाई के बाद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बाल संरक्षण गृह में 18 वर्ष तक के बच्चों के साथ बड़ी उम्र के दिव्यांग महिला-पुरुष भी रह रहे थे। रिकॉर्ड के अनुसार, 2019 से 2025 के बीच 8 लोगों की मृत्यु के बाद उनके शव बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज को दे दिए गए, लेकिन देहदान की कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। कई बच्चों की मौत के बाद उनके शव बिना पोस्टमार्टम परिजनों को सौंप दिए गए। मप्र बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह और किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों ने रविवार को सागर स्थित घरोंदा आश्रम का निरीक्षण किया। यह बालक संरक्षण गृह के रूप में पंजीकृत है लेकिन यहां बालिकाएं और बड़ी उम्र के दिव्यांग भी रह रहे हैं। इसके अलावा करुणा आश्रम, खजूरिया से भी 3 देहदान हुए हैं। जबकि घरोंदा से 10 देहदान हुए।

वन विहार में असम से गेंडा लाने को मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में बुधवार को बैतूल जिले में प्रस्तावित प्रदेश के पहले कंजर्वेशन रिजर्व को मंजूरी दी गई। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के सुझाव पर इसका प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके साथ ही बालाघाट में सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व को जिला योजना समिति से स?हमति लेने की शर्त पर मंजूरी दे दी गई है। इंदौर-बड़वाह में प्रस्तावित देवी अहिल्याबाई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और हरदा में प्रस्तावित डॉ. राजेंद्र प्रसाद वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को लेकर स्थानीय विधायकों से सहमति नहीं ली गई, इसलिए इन्हें होल्ड पर रखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि हरदा और इंदौर की अहिल्याबाई सेंचुरी के लिए सभी स्थानीय विधायकों और सांसदों से पूरी जानकारी लेकर सहमति प्राप्त की जाए। इसके बाद ही इन प्रस्तावों पर आगे चर्चा होगी। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड ने असम से गेंडा (राइनो) लाकर वन विहार नेशनल पार्क में बसाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ ही वन विहार में लाए गए दो नर किंग कोबरा (नाग) के बाद मादा किंग कोबरा लाने के निर्देश दिए। वन विभाग के अफसरों ने बताया कि मादा किंग कोबरा के लिए संबंधित राज्यों के साथ बातचीत कर तलाश की जा रही है। सीधी और सिंगरौली जिलों में सोन नदी के उन इलाकों को, जहां घड़ियाल नहीं पाए जाते हैं, डीनोटिफाई करने की मांग पर सीएम ने निर्देश दिए हैं कि इस संभावना पर विचार कर कोई रास्ता निकाला जाए। ताकि घड़ियालों के संरक्षण के साथ ही स्थानीय लोगों की समस्या का समाधान हो सके। बोर्ड ने तासी कंजर्वेशन रिजर्व का क्षेत्रफल 250 वर्ग किलोमीटर मंजूर किया है। इसमें दक्षिण वन मंडल के तासी रेंज का 84 वर्ग किलोमीटर और पश्चिम बैतूल की चिचोली और तावड़ी रेंज का 165 वर्ग किलोमीटर जंगल शामिल होगा।

कार्य में लाये तेजी, प्रचार-प्रसार पर करे फोकस : खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने घरों में पाइप लाइन के माध्यम से पी.एन.जी. और सी.एन. जी कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनियों को दिये। मंत्री श्री राजपूत मंत्रालय में प्रदेश के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क कार्य की समीक्षा कर रहे थे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कंपनियों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनी को दिये है। मंत्री श्री राजपूत ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के तहत जिलों में कार्य करने वाली कंपनियों को समझाइश देते हुए कहा कि गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिये पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति लाने का कार्य प्रदेश में होने जा रहा है । सभी कंपनियां इसमें भागीदार है, पर आम-जन के बीच सी.एन.जी. और पी.एन.जी. गैस के लाभ की जानकारी नहीं होने के कारण आम-जन का रुझान इस ओर नहीं बढ़ पा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने कंपनियों को प्रचार-प्रसार में फोकस करने का निर्देश देते हुए कहा कि कंपनियों को

विभिन्न प्रकार की परमिशन के लिये सुविधा के लिए सिंगल विंडो प्रणाली विकसित कर दी जायेगी, जिससे किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। समीक्षा बैठक के दौरान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में कार्य कर रही कंपनियों द्वारा पाइपा लाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन का कार्य अधूरा छोड़ देने की ओर कंपनियों का ध्यान दिलाते हुए मंत्री श्री राजपूत ने नसीहत दी की सरकार की तरफ से कंपनियों को हर प्रकार का सहयोग दिया जायेगा पर कंपनियां पाइप लाइन बिछाने के बाद रेस्टोरेशन का कार्य समय पर पूरा करे इससे जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो सके और समय पर सुविधा मिल सके।

बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति अपर मुख्य सचिव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने भी कहा कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्कमें कार्य कर रही कंपनियों को धीमी प्रगति पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी चिंता जता चुके है। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने सभी कम्पनियों को हर महीने का लक्ष्य तय कर कार्य करने और प्रगति की जानकारी से खाद्य विभाग को अवगत कराने के निर्देश दिये।

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि लक्ष्य के आधार पर मध्यप्रदेश में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क 55 जिलों के 25 भौगोलिक क्षेत्र में निर्धारित किया गया है, तथा 60 लाख उपभोक्ताओं तक पी.एन.जी.गैस कनेक्शन का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं 1207 सी.एन. जी. स्टेशन बनाये जायेंगे। इस लक्ष्य के सापेक्ष 3.19 लाख उपभोक्ताओं को पाइप लाइन के माध्यम से गैस आपूर्ति की जा रही है जबकि 378 सी.एन.जी. स्टेशन तैयार कर दिये गये है। बैठक के दौरान गेल गैस नेटवर्क, अवंतिका गैस लिमिटेड, थिंक गैस, इंडिया आयल कॉर्पोरेशन, गुजरात गैस लिमिटेड, अडानी गैस लिमिटेड, राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड और मेघा गैस के अधिकारियों ने 2 साल में 90 प्रतिशत से अधिक पाइप लाइन नेटवर्क बिछाने का भरोसा दिया है।

मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट देश में अभिनव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर जिला विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को अब मूर्त-रूप देते हुए जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को साकार करने की दिशा में ठोस पहल है जिसके अनुसार विकसित भारत का संकल्प देश के हर जिले में लिया जाएगा। यह पहल पूरे देश में अभिनव है। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आज भोपाल में अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 का विमोचन किया गया।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि डाटा आधारित नीति निर्माण के लिए जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के विजन 2047 की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिलों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए बॉटम अप दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह रिपोर्ट राज्य के सभी जिलों की आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है जो न केवल नीति निर्माण को डाटा आधारित बनाएगा साथ ही राज्य के विजन 2047 को जमीन पर भी उतारेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन जैसे जिलों ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान दिया है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में भी यही जिले शीर्ष पर रहे हैं। प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि वानिकी, पशुपालन, मछली पालन में राज्य का जीव्हीए में 45त्न का योगदान है जबकि द्वितीय क्षेत्र निर्माण और विनिर्माण तथा तृतीय क्षेत्र सेवाएं, व्यापार वित्त में क्रमश: 19त्न और 36त्न का योगदान दर्ज किया गया है। छिंदवाड़ा, धार, बालाघाट इंदौर और भोपाल जैसे जिलों ने विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी प्रदर्शन किया है।

इससे पहले इंडिया फाउंडेशन और मध्यप्रदेश योजना एवं सांख्यिकी विभाग तथा राज्य नीति आयोग के बीच दो औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी भविष्य में डाटा इन्नोवेशन हब और रिसर्च एनालिसिस यूनिट की स्थापना की दिशा में एक ठोस पहल होगी जिससे नीति निर्माण की प्रक्रिया अधिक सशक्त, स्थानीयकृत और विश्लेषणात्मक हो सकेगी। पूर्व उपाध्यक्ष नीति आयोग एवं पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, राज्य सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सफाई अभियान की हकीकत:सुबह 11:30 तक उठना था कचरा, शाम तक भी नहीं उठा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यह तस्वीर जेके रोड की शाम 5 बजे की है। मेन रोड के सेंट्रल वर्ज पर कचरे के ढेर लगे हैं। ऐसी तस्वीर सिर्फ जेके रोड पर नहीं दिखी। शहर के ज्यादातर हिस्से में यही स्थिति रही। दरअसल, नगर निगम ने शासन के निर्देश पर बुधवार से शहर में 10 दिनों तक ?विशेष सफाई अभियान चलाने का दावा किया था।

लेकिन अशोका गार्डन से एमपी नगर, कटारा से बागसेवनिया और नर्मदापुरम रोड, कोलार से लेकर जेके रोड तक सुबह के समय कहीं भी नगर निगम का सफाई अमला नजर नहीं आया।

कार्ययोजना के अनुसार हर वार्ड को 6 भागों में बांटा गया। सुबह और शाम दो पाली में साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। सुबह 7 बजे से 11 बजे तक वार्ड के प्रमुख मार्गों, चौराहों, सेंट्रल वर्ज आदि की साफ-सफाई करनी थी। वार्ड के हर घर से कचरा उठाने से लेकर कचरे के ढेर सुबह 11:30 बजे तक उठाए जाने के निर्देश दिए थे। दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक प्रत्येक वार्ड के एक चयनित क्षेत्र एवं अन्य प्रमुख स्थलों की विशेष साफ-सफाई के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी निगम कर्मचारी सफाई करते नजर नहीं आए।

पाठ्यक्रम में पढ़ाना चाहिए लाइफ स्टाइल कोर्स

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूली पाठ्यक्रम में यह जोड़ा जाए कि कौन सा खाना, दिनचर्या या आदत किस बीमारी का कारण बन सकता है और उससे कैसे बचा जा सकता है। बच्चों को यह समझाना होगा कि स्वास्थ्य की जिम्मेदारी खुद उनकी है, सिर्फ डॉक्टर की नहीं। साथ ही माता-पिता और शिक्षकों को भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी। देश के जाने-माने गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट पद्म भूषण डॉ. शिव कुमार सरीन ने ये बातें कहीं हैं। वे इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, दिल्ली के निदेशक भी हैं। डॉ. शिव कुमार सरीन बुधवार को प्रदेशव्यापी स्वस्थ यकृत (लिवर) मिशन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर भोपाल पहुंचे थे। इस दौरान उनसे बातचीत की। उन्होंने कहा कि

हमने राज्यपाल मंगु भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि स्कूली पाठ्यक्रम में खाना और दिनचर्या को जोड़ा जाना चाहिए। डॉ. सरीन ने बताया कि पहले स्कूलों में पढ़ाई का 30 प्रतिशत समय खेलों को दिया जाता था, जो अब घटकर 5 प्रतिशत रह गया है, जबकि मोटापा और फैटी लिवर की बढ़ती समस्या को देखते हुए शारीरिक गतिविधि बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना से भी इस विषय पर चर्चा कर योजनाएं बनाने की बात कही। यह आंकड़ा पांच साल में 22 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। जिसकी मुख्य वजह है बिगड़ती जीवनशैली और खानपान। उन्होंने चेतावनी दी कि यही रुझान बच्चों में फैटी लिवर जैसी बीमारियों को जन्म दे रहा है। इसलिए हेल्थ को केवल डॉक्टर का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी बनाना होगा।

डॉ. सरीन ने कहा कि लिवर में फैट आने के तीन प्रमुख कारण है। जिसमें पहला शराब का सेवन और दूसरा खराब खान पान सबसे आम हैं। इसके अलावा जीन भी एक बड़ा फैक्टर हैं। यदि किसी को वसीयत में फैटी लिवर की समस्या मिली हो तो उनमें जरा सा खाने से भी फैटी लिवर की समस्या हो सकती है। ऐसे जीन्स वालों में मोटापा सबसे पहला इंडिकेशन हैं।

राजगढ जिला ओवर-ऑल 81.60 अंकों के साथ जल संवर्धन कार्यों में प्रथम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं के प्रदेश में सर्वाधिक निर्माण पूरा करने पर राजगढ़ जिले को अब तक 100 में से 81.60 अंक प्राप्त हुए हैं। जिला अब तक प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान में राजगढ़ जिले में अमृत सरोवर लक्ष्य से अधिक और प्रदेश में सर्वाधिक कार्य प्रारंभ कराए गए हैं। इसी तरह जिला खेत तालाब भी लक्ष्य से अधिक प्रारंभ कराने में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। इस तरह जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए पोर्टल पर युवाओं का रजिस्ट्रेशन भी राजगढ़ ने लक्ष्य 5,400 से अधिक 10,186 से अधिक रजिस्ट्रेशन कराए हैं।

राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिले में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किए जा रहे जल संवर्धन के कार्यो में मनरेगा योजना में कुल 18 अमृत सरोवर तालाब निर्माण का लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है। लक्ष्य अनुसार सभी 19 तालाबों के लिए स्थल चयन ऐप से किया जाकर भारत सरकार के अमृत सरोवर पोर्टल पर उसकी प्रविष्टि कराई जा चुकी है। इन सभी अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया है। मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण के लिये कुल 1866 खेत तालाब के लक्ष्य से अधिक 1989 खेत तालाबों के स्थल चयन एसआईपीआरआई मोबाइल ऐप से फायनल कर निर्माण प्रारंभ किये जा चुके हैं। जिला खेत तालाब कार्य प्रारंभ करने में जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण के लिये कुल 3,500 कूप रिचार्ज निर्माण के लक्ष्य से अधिक 3600 कूपों का चयन कर 3165 पर कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसकैटेगरी में भी प्रदेश स्तर पर हो रही रैंकिंग में 20 में से अब तक 18 अंक प्राप्त हुए हैं। शहडोल में सोहागपुर के जोधपुर गांव से बहने वाली मुड़ना नदी की जलधारा सूख सी गई थी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत श्मशान घाट के पास पहले से निर्मित स्टॉप-डैम में जन-अभियान परिषद की जोधपुर समिति और ग्राम पंचायत ने इसी स्टॉप-डैम में बोरी बंधान का निर्माण किया। श्रमदानसे हुए बोरी बंधान से धीरे-धीरे मुड़ना नदी के बहाव क्षेत्र में जल स्तर बढ़ने लगा। श्रमदान दिवस के बाद की सुबह नदी को लबालब देख गांव के पशु-पक्षियों तक में खुशी की लहर दौड़ गई। अब नदी में पेयजल के साथ ही सबके लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो गया है। देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। जल की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए 30 जून 2025 तक ये अभियान जारी रहेगा।

जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

लोक निर्माण मंत्री ने की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, औचक निरीक्षण रिपोर्ट्स और वर्षा पूर्व तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं, 20 मई को हुए औचक निरीक्षणों और वर्षा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के प्रारंभ में औचक निरीक्षण व्यवस्था के अंतर्गत 7 मुख्य अभियंताओं के दलों से प्रदेश के 7 जिलों में किए गए कुल 35 निर्माण कार्यों के निरीक्षण प्रतिवेदनों पर चर्चा की गई। मंत्री श्री सिंह ने निरीक्षण व्यवस्था को विभागीय पारदर्शिता और गुणवत्ता नियंत्रण की दिशा में एक सशक्त पहल बताया।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए श्री राकेश सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से वन विभागीय अनुमतियों और भू-अर्जन से जुड़ी समस्याओं को समय रहते हल करने हेतु ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए।

बैठक में लोकपथ मोबाइल ऐप की कार्यप्रणाली पर भी विचार हुआ। मंत्री श्री सिंह ने निर्देशित किया कि एनएचएआई के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को भी लोकपथ मोबाइल ऐप से जोड़ने की संभावनाएं तलाशी जाएं। वर्तमान में ऐप पर केवल लोक निर्माण विभाग की सड़कों का डेटा उपलब्ध है। यह पहली बार होगा जब अन्य एजेंसियों की सड़कों को भी इस पोर्टल से जोड़ा जाएगा।मंत्री श्री राकेश सिंह ने सभी सड़कों के प्रिवेंटिव मेंटेनेंस कार्यों को 15 जून से पहले पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी अवधि के अंतर्गत आने वाली सड़कों के ठेकेदारों को लिखित में मेंटेनेंस कार्यों हेतु निर्देशित करने की बात कही।

बैठक में मंत्री श्री सिंह ने पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों की चर्चा करते हुए कहा कि इस मानसून पूर्व 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण के प्रयास किए जाएं। इन सरोवरों का निर्माण नियोजित खनन के माध्यम से किया जाएगा, जिनमें फेंसिंग, वृक्षारोपण और चेतावनी संकेतक अनिवार्य होंगे। मंत्री ने कहा कि यह सरोवर वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण में सहायक होंगे।

मंत्री श्री राकेश सिंह ने जबलपुर में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर के उदाहरण का हवाला देते हुए सभी फ्लाईओवर्स और एलिवेटेड संरचनाओं में वर्षा जल निकासी को रिचार्ज बोर से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी फ्लाईओवर्स से संभावित भूजल पुनर्भरण की गणना की जाए।

मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में स्थापित किए नये कीर्तिमान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। साथ ही फसलों के उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर रिकार्ड बनाया। प्रदेश दालों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर एवं तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। तृतीय फसली क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है। नरवाई जलाने को हतोत्साहित करने के लिए कुछ प्रतिबंध भी लगाये गये है। कृषकों को फसल आच्छादन के अवशेष जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये हैं, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी की गई है। नरवाई जलाने की घटना वाले कृषकों को आगामी एक वर्ष के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार रूपये का भुगतान नहीं किये जाने के साथ ही आगामी एक वर्ष के लिए उनकी उपज का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं करना भी शामिल है। राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में कृषि उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण अंतर्गत कई कार्यक्रम चलाये जा रहे है, जिससे प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। खरीफ 2024 के धान उत्पादक कृषकों को जिन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया है, उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। चार हजार रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जायेगा, जिसमें एक कृषक को अधिकतम दस हजार रूपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में प्रदाय की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूँ पर 175 रुपए प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में लगभग 83.50 लाख से अधिक किसानों को लगभग 1770 करोड़ रुपए उनके खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से 24 फरवरी, 2025 को जमा किए गए है।

मध्यप्रदेश में 7 शहर स्मार्ट सिटी मिशन में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शहरों के समुचित विकास, आर्थिक सुधार, नागरिक जीवन शैली में सुधार के उद्देश्य से चयनित 7 शहरों (स्मार्ट सिटी) में कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में 3 शहरों भोपाल, इंदौर और जबलपुर का चयन प्रथम चरण में स्मार्ट सिटी मिशन में किया गया था। दूसरे चरण में ग्वालियर और उज्जैन का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी मिशन में तीसरे चरण में सतना और सागर चयन किया गया। देश में स्मार्ट सिटी मिशन की शुरूआत 25 जून 2015 को की गई थी। इसके बाद से 3 चरणों में मध्यप्रदेश के इन 7 शहरों का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी योजना का क्रियान्वयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है।

मिशन के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक चयनित शहर के लिये एक हजार करोड़ रूपये ग्रांट का प्रावधान किया गया, जिसमें 500 करोड़ रूपये केन्द्र सरकार की और 500 करोड़ रूपये राज्य सरकार की मैचिंग ग्रांट थी। स्मार्ट सिटी चयनित शहरों में मुख्य रूप से ऐसी योजनाएं क्रियान्वित की गई, जिनसे नागरिक जीवन शैली में सुधार हो।

संयुक्त भर्ती परीक्षा के लिए सौंपे गये दायित्व

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित समूह-1 एवं उप समूह-3 पदों के संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की स्थगित की गई एक पाली की परीक्षा पुनः 23 मई 2025 को सतना जिले के 3 परीक्षा केन्द्रों में एक पाली में आयोजित की जा रही है।

जिसमें परीक्षा का प्रथम पाली प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा में अभ्यर्थियों की रिपोटिंग का समय प्रातः 9 बजे से प्रातः 10.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं।

जिसमें पुलिस अधीक्षक को प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में 3 पुलिस गार्ड, 2 पुरूष एवं 1 महिला कर्मियों की डयूटी लगाये जाने, डीएसपी स्तर के अधिकारी को मानीटरिंग हेतु सुरक्षा समन्वयक नियुक्त करने के निर्देश दिये है।

सीएमएचओ को परीक्षा में बैठे छात्रों के लिए मेडीकल टीम सभी परीक्षा केन्द्रों के लिए निर्धारित किया जाना सुनिश्चित करने और अधीक्षण यंत्री एमपीईबी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में विद्युत व्यवस्था/प्रवाह सतत रूप से बनाये रखना सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।

समग्र ई-केवाईसी के लिए विशेष अभियान चलाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में समग्र ई-केवाईसी की प्रगति को लेकर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। कुछ क्षेत्रों में ई-केवाईसी की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित उपखण्ड अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता पर लें और समयबद्ध रूप से लक्ष्यों को पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत खाद्यान्न प्राप्त कर रहे समस्त हितग्राहियों के साथ-साथ जिले के सभी व्यक्तियों का भी ई-केवाईसी करने के निर्देश दिए गये है। वर्तमान में जिले की ई-केवाईसी प्रगति कम होने से उसे अभियान के रूप में पूर्ण करने के लिए निर्देश जारी किये गये है। ई-केवाईसी के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने-अपने अनुभाग के लिए नोडल अधिकारी रहेंगे।

ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत व शहरी क्षेत्र में सीएमओ नगरी निकाय सहायक नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। ई-केवाईसी कार्य को पूर्ण कराने एवं अपात्र व्यक्तियों के नाम समग्र पोर्टल से हटाने के लिए 07 दिन का अभियान चलाकर 31.05.2025 तक आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करेंगे। सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रतिदिन कम से कम 15-20 पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन करने के लिए दिनांकवार/पंचायतवार कैलेण्डर तैयार कर ग्रामसभा का आयोजन करवायेंगे।

आयोजित ग्रामसभा के लिए एक-एक नोडल अधिकारी को भी नियुक्त करेंगे। आयोजित ग्रामसभा में खाद्य विभाग से प्राप्त सूची का वाचन करेंगे तथा वाचन उपरांत हितग्राहियों की ई-केवाईसी करते हुए शेष हितग्राही जिनकी ई-केवाईसी नहीं हो पा रही निम्न बिन्दुओं पर सूची तैयार कर जनपद/नगरीय निकाय में जमा कराते हुए समग्र पोर्टल से उनके नाम डीलिट कराना भी सुनिश्चित करेंगे जैसे व्यक्ति जिनकी मृत्यु हो चुकी है, व्यक्ति जो अन्य स्थान पर चले गए है, महिला जिनकी विवाह हो चुका है, व्यक्ति जिनके आधार अन्य राज्य के हो, डबल समग्र आईडी वाले व्यक्ति। आयोजित होने वाली ग्रामसभा में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, समिति प्रबंधक, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ-साथ ग्राम स्तरीय सभी अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर ने कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया से शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक शीघ्रता से पहुँचाया जा सकता है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देशित किया कि वे आमजन को ई-केवाईसी की अनिवार्यता के बारे में जागरूक करें और ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रगति की अगली समीक्षा बैठक में लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

इसी प्रकार जिले में राशन के पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी की जानकारी के संबंध में समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विकासखंडवार पेंडिग कार्यों की सूची निकालकर कार्य करने की आवश्यकता है। सभी जेएसओ इसमें मेहनत से कार्य करते हुए हुए प्रगति लाएं और एसडीएम मॉनिटरिंग करें। शेष हितग्राहियों को पीओएस मशीन से ई-केवाईसी कराना है। जो हितग्राही मृत हो चुके हैं अथवा जिनकी शादी हो चुकी है अथवा जो पलायन कर गये हैं उनकी सूची विक्रेता तैयार करके पंचायत सचिव के द्वारा डिलीट करवाना है। सभी हितग्राहियों को अपना राशन प्राप्त करने 31 मई तक ई-केवाईसी कराना जरूरी, अन्यथा राशन बंद होने की संभावना है। इसके साथ ही कलेक्टर ने आवास पोर्टल में हितग्राहियों की समग्र आईडी अनिवार्य रूप से दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी नागेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

शिकायतों का निराकरण नहीं करने पर 27 अधिकारियों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण नहीं करने के कारण संबंधित अधिकारियों को एक वेतनवृद्धि रोकने हेतु कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया।

दिनांक 20 मई को समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री जल संसाधान विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक, प्रभारी अधिकारी जिला हाथकरघा विभाग, श्रम पदाधिकारी श्रम आयुक्त कार्यालय, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, सहायक यंत्री लोक निर्माण विभाग उपखण्ड (मझौली, सीधी, रामपुर नैकिन), सहायक यंत्री मकैनिकल विंग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड सीधी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत (सीधी, रामपुर नैकिन, कुसमी, मझौली, सिहावल), मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद चुरहट, खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकास खण्ड (रामपुर नैकिन, मझौली, सिहावल, कुसमी, चुरहट, सीधी), खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन, वन परिक्षेत्र अधिकारी वन परिक्षेत्र (टमसार, व्यौहारी बफ्र, दुबरी संजय टाईगर रिजर्व सीधी) की स्थिति संतोष जनक नहीं पाए जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

उपरोक्तानुसार विभाग की ग्रेडिंग सी, डी होने के जिले की भी ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। शिकायतों के निराकरण मे रूचि नहीं लिये जाने के कारण शिकायतें अकारण उच्च स्तर पर अंतरित हो रही हैं। उपरोक्त कृत्य से स्पष्ट है कि संबंधित के द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में जानबूझकर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है, जो म.प्र.सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 9 (क) के प्रतिकूल है।

नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर उपरोक्त शिकायतों के निराकरण कर प्रतिवेदन सहित जवाब प्रस्तुत करना होगा कि संबंधित के विरूद्ध क्यों न एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्यवाही हेतु प्रस्तावित किया जावे। नियत अवधि में जवाब प्रस्तुत न करने की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

पौध रोपण के लिए 21 हजार 566 गड्ढे किये गये तैयार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में सीएसआर फण्ड से फल पौध रोपण के लिए जिला सतना के 5 विकासखण्डों में 1052 कृषकों के द्वारा जिनके पास फेसिंग एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, का चयन किया गया है। इन कृषकों द्वारा 53 हजार 915 पौधों का रोपण किया जायेगा। जिसके तहत अभी तक 21 हजार 566 गड्डे कृषकों द्वारा पौध रोपण के लिए खोद लिये गये हैं। उप संचालक उद्यान ने बताया कि शेष बचे हुए गड्डे 30 मई 2025 तक खोदने के लिए निर्देशित किया गया है। ताकि मानसून आने पर पौध रोपण का कार्य किया जा सके।

दिनेश चंद्र शर्मा ने मरणोपरांत देहदान का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्तदान जीवन दान नेत्रदान महादान जगत कल्याण के लिए देहदान का संकल्प लेकर बच्चों को शिक्षा का ज्ञान देकर उनका भविष्य उज्जवल बनाने की सोच रखने वाले राजेंद्र नगर निवासी श्री दिनेश चंद्र शर्मा पिता स्व श्री सुरेश चंद्र शर्मा जी ने महंत स्वामी खिम्यादास जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर 22 मई गुरुवार को आश्रम में गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त कर मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया

देहदान का संकल्प लेने पर स्वामी जी ने समाज को प्रेरणा देते हुए कहा निश्चित ही देहदान से समाज को अच्छे चिकित्सक और नेत्रोंहीनो को दृष्टि मिलती हे उल्लेखनीय है संत मोतीराम आश्रम के महंत स्वामी खिम्यादास जी ने देहदान की अलख ज्योति जगाने का बीड़ा उठाया है स्वामी जी के प्रेरणा से प्रेरित होकर अभी तक 105 लोगों ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया है

आश्रम के सेवादारी अतुल दुबे ने जानकारी देते हुए बताया दिनेश चंद शर्मा जी को स्वामी जी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया इस अवसर पर भाई प्रह्लाद डॉ आर.के.जैन जी अतुल दुबे गोपीचंद कापड़ी नमो नारायण खत्री विनोद गेलानी मनोहर मोरियानी ज्ञानचंद हासवानी बिमल मित्रा मुकेश अग्रवाल अनिल चौरसिया जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

सतना इन्क्यूवेषन सेंटर कान्फ्रेंस हाल का आयोजन 25 मई को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए मध्यप्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम और इंडस्ट्री पार्टनर लघु उद्योग भारती द्वारा सतना में 25 मई को प्रातः 11 बजे से सतना इन्क्यूवेशन सेंटर कान्फ्रेंस हाल का आयोजन किया जा रहा है।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक राहुल दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए आरएएमपी नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के सतना में एलईएन मैनेजमेंट, जेडईडी सर्टिफिक्रेशन, एमएसएमई पालिसी एवं आईपीआर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण है एवं इस भूमिका को पूरा करने के लिए उद्योगों को अपना विस्तार एवं उसकी कार्य प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है।

जिससे कि वह अपनी कार्य क्षमता एवं उत्पाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मापदण्ड पर पहुंचा सकते हैं। लघु उद्योग भारती जो कि एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है। उसके सहयोग से यह कार्यशाला सतना में आयोजित की जा रही है। जिससे अधिक से अधिक उद्यमियों की सहभागिता करने का आग्रह किया गया है। लघु उद्योग भारती सतना इकाई के अध्यक्ष नितेश बडेरिया ने बताया कि सरकार की इस पहल से निश्चित रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बहुत ही अधिक लाभ होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत माधवगढ़ किला के नीचे की गई टमस नदी की सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान सतना जिले में अनवरत रूप से जारी है।

गुरूवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत माधवगढ़ किले के नीचे टमस नदी की सफाई अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, अध्यक्ष नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना सहित अधिकारी-कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं तथा स्थानीय गणमान्य जनों ने कार्यक्रम में शामिल होकर नदी की सफाई अभियान में श्रमदान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जन समुदाय को जल के संरक्षण तथा संवर्धन की शपथ दिलाई गई।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सतना जिले में जहां एक ओर नये तालाब बनाये जा रहे है। वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। नदियों एवं अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोतों को साफ स्वच्छ एवं जल संचय करने के योग्य बनाने के भी कार्य किए जा रहे हैं। सतना जिले में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का भी कार्य किया जा रहा है।

नहर मेंटिनेंस के नाम पर किसानों के साथ किया जा रहा छलावा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर तहसील जो रीवा जिला मुख्यालय से लगभग 130 किमी की दूरी पर है और यहां के कृषक कृषि करने के लिए ज्यादातर नहर पर केंद्रित है पर वर्तमान एसडीओ नहर विभाग के रवैए से किसानों के सपने में ग्रहण लगता दिख रहा है क्योंकि कुछ दिन बाद किसान बंधु धान की फसल के लिए रोपा के लिए बीज तैयार करने के लिए पानी जरूरत होगी पर नहर विभाग के उदासीन रवैए के कारण आज तक सिर्फ कागजों में प्रतिवर्ष नहर की साफ सफाई होती है।

यहां तक कैनाल के साथ माइनर (नाली) भी जगह जगह टूटी है पर कोई देखने वाला नहीं है ज्यादातर एसडीओ साहब रीवा से कार्यालय फोन पर चलाते है। अगर विधायक की जनसुनवाई न हो तो एसडीओ साहब सिर्फ हस्ताक्षर करने आए जबकि बकायदे एसडीओ साहब को फील्ड की निगरानी करनी चाहिए पर साहब को किसानों की समस्या से क्या लेना साहब का तो ध्यान कागजों पर हो रहे मेंटिनेंस की राशि डकारने का है। ज्यादातर गांव में जब नहर में पानी छोड़ा जाता है तब भी पानी खेत तक नहीं पहुंचता है और किसान को सिर्फ खेत में पानी उम्मीदों पर जीता है।

वही पूर्व नहर अध्यक्ष गोपाल शंकर तिवारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि नहर विभाग के एसडीओ के रूप में बी एस खंगारे जब से त्योंथर का चार्ज लिए है तबसे किसानों के जीवन में काला बादल सा छा गए है। यहां की नहर साफ सफाई की बात छोड़िए कभी गांव में नहरों पर साहब नजर नहीं पड़ी होगी । अब जब किसान कुछ दिन बाद धान की रोपा की बीज के लिए पानी की जरूरत होगी तब नहर तो चालू होगी पर मेंटिनेंस के आभाव में पानी खेत तक न पहुचेगा। वही नहर विभाग के एसडीओ बी एस खंगारे के कार्यप्रणाली से विभिन्न गांवों के कृषको में नहर का मेंटिनेंस न होने और एसडीओ साहब के रीवा से शाखा चलाने को लेकर आक्रोश है जन आंदोलन की तैयारी कर रहे है।

एनआरसी से डिस्चार्ज बच्चों को कलेक्टर ने किया पोषण किट का वितरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को जिला अस्पताल में स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एनआरसी से डिस्चार्ज किये गये बच्चों की माताओं को पोषण किट का वितरण किया। उन्होंने एनआरसी में भर्ती कुपोषित बच्चों के चिकित्सा इलाज, दिए जाने वाले पोषण आहार के संबंध में बच्चों की माताओं से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास सौरभ सिंह, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप द्विवेदी, एनआरसी प्रभारी डॉ. अपराजिता त्रिपाठी, एफडी प्रियंका सिंह उपस्थित रही।

भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल कुंज ढेकहा रीवा में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी का 300वां जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का उद्घाटन मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, सांसद जनार्दन मिश्रा, मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति, पूर्व विधायक के पी. त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यख श्रीमती नीता कोल, कार्यक्रम संयोजक संजय द्विवेदी रहे।

इस प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन संघर्ष व बलिदान के सम्बन्ध में चित्रण किया गया है। न्याय वह नींव है जिस पर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। उनका जीवन सुशासन, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और राष्ट्रनिर्माण का आदर्श बना। उन्होंने कुशावर्त घाट बनवाया जहां सभी जातियों को पूजा करने की अनुमति थी। लगभग 16 करोड़ की निजी संपत्ति से चारधाम, सप्तपुरी और 12 ज्योर्तिलिंगो का निर्माण व जीर्णोद्धार किया।

नर्मदा तट स्थित निवास पर नियमित पूजा, यज्ञ और सत्संग का आयोजन किया। सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया, जो मुगल आक्रमणों से क्षतिग्रस्त हो गया था। वे बचपन से ही भगवान शिव के प्रति गहरी भक्ति और न्याय की भावना रखती थी। नर्मदा तट की सुरक्षा, उपजाऊ भूमि और आध्यात्मिक महत्व के कारण महेश्वर को राजधानी बनाया। वे समाज सुधारक थी उन्होंने सख्त दहेज विरोधी कानून बनाये। बिना संतान विधवाओं की संपत्ति राज्य द्वारा जब्त करने की नीति समाप्त की। विधवाओं को बच्चो को गोद लेने की स्वतंत्रता प्रदान की।

विधवा पुनर्विवाह को नैतिक समर्थन दिया। उन्होंने महिलाओं को युद्ध कौशल सिखाया और एक महिला सैन्य टुकड़ी का गठन किया है। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिया। भीख मांगने पर प्रतिबंध और कर्मचारियों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित किया। इस प्रकार उन्होंने समाज सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह प्रदर्शनी 31 मई तक भाजपा कार्यालय अटल कुंज में देखने लिए लगी रहेगी।

उक्त प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर में पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ. अजय सिंह, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी डॉ. अनिल पटेल, पूर्व विधायक पंचूलाल प्रजापति, पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम सिंह, राजेन्द्र ताम्रकार, कार्यक्रम सह जिला महामंत्री अशोक सिंह गहरवार, जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर पटेल, मनीषा पाठक, जिला मंत्री शरद साहू, मुनिराज पटेल, रीतेश मिश्रा कार्यक्रम सह संयोजक राजेश प्रताप सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती संतोष सिंह सिसोदिया, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती साधना गुप्ता,अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मो. इमरान गुलाब, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष तुलसीदास कोल, दीपक मिश्रा, पूर्व महामंत्री राजेन्द्र त्रिपाठी, विवेक गौतम, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी एवं पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

हज के लिये मक्का मदीना का अंतिम जत्था रवाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इस्लाम के पाँच बुनियादी अरकानो में एक अहम अरकान हज करना है जिसके लिये प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व से लोग मक्का मदीना जाते है इसी कड़ी में आज रीवा से हज के लिये अंतिम जत्था मक्का मदीना के लिये रवाना हुआ।

इस संबंध में उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी के संस्थापक मो0 शुऐब खान, मोहसिन खान एवं मदरसा इस्लामिया बिछिया के सदर वाइज खान प्रेस को संयुक्त विज्ञप्ति में बताया है कि हज इस्लाम धर्म का एक अहम स्तंभ है ये सिर्फ उन लोगो पर फर्ज है जो मक्का मदीना जाने की हैसियत रखते है हज सन 9 हिजरी में फर्ज हुआ था जो आज तक मुसलसल चला आ रहा है हज में लोग मक्का शरीफ में तवाफ, शैतानन को कंकड़ी मारना, मिना, मुजदल्फा, अराफात आदि स्थानो में जाकर हज के अरकान अदा करते है।

आज इसी तारतम्य में बिछिया निवासी मो0 असलम खान, सीमा मुख्तार, एहसन खान, फिजा खान आदि रेल्वे मार्ग से मुम्बई के लिये रवाना हुये और वे 25 मई को मक्का-मदीना को रवाना होगे। आज उनका भव्य स्वागत उम्मत-ए-मोहम्मदिया कमेटी के संस्थापक मो0 शुऐब खान, मोहसिन खान, साबिर खान अशरफी, अध्यक्ष मकदूम खानी मो0 हनीफ, हाजी डी0डी0खान, रज्जू खान आदि ने किया एवं मुबारक बाद पेश करते हुये दुआ करने की अपील की है।

विचार

असीम मुनीर का अगला प्रमोशन राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद पर?

फील्ड में हारने वाले को वैसे तो फेल्ड कहते हैं लेकिन पाकिस्तान ऐसे लोगों को फील्ड मार्शल कहता है। देखा जाये तो भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान बुरी तरह पिटने वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मौलाना असीम मुनीर को पाकिस्तान सरकार की ओर से प्रमोशन देकर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना उसी पुरानी कड़ी का दोहराव है जिसके तहत हर हार के बाद पाकिस्तानी सेना को वहां का शासन %हार% पहनाता है। इसके अलावा, अपनी सेना के विफल होने के बावजूद जिस तरह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की हर मंच से जमकर तारीफ की और फिर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना पड़ा वह दर्शाता है कि वह नहीं चाहते कि जैसा उनके भाई ने भुगता वैसा ही वह भी भुगतें। उल्लेखनीय है कि शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ की सत्ता को पलट कर तत्कालीन पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान की सत्ता संभाल ली थी। असीम मुनीर भी पाकिस्तान पर राज करना चाहते हैं यह बात वहां के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भलीभांति जानते हैं इसलिए वह पर्दे के पीछे से सारा नियंत्रण असीम मुनीर को चलाने दे रहे हैं ताकि उनकी खुद की गाड़ी भी चलती रहे। जरदारी और शहबाज अच्छी तरह जानते हैं कि उनका अपने पद पर बने रहना लोकतंत्र पर नहीं, बल्कि मुनीर की कृपा पर निर्भर करता है।

फील्ड मार्शल बनने के बाद असीम मुनीर अगली पदोन्नति के रूप में कौन-सा पद चाहेंगे यह देखने वाली बात होगी, वैसे यह तो है कि पाकिस्तान के इतिहास में इस पद पर पदोन्नत होने वाले वह दूसरे शीर्ष सैन्य अधिकारी बन गये हैं। उनसे पहले जनरल अयूब खान को 1959 में फील्ड मार्शल का पद दिया गया था। मुनीर ने पाकिस्तान की दोनों शक्तिशाली जासूसी एजेंसियों- आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) का नेतृत्व किया है। वह पाकिस्तान के इतिहास में स्ढ्ढ और ढ्डस्ढ्ढ दोनों का नेतृत्व करने वाले एकमात्र अधिकारी हैं और पहले ऐसे सेनाध्यक्ष भी हैं जिन्हें प्रतिष्ठित स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया है। असीम मुनीर ने नवंबर 2022 में सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने जनरल कमर जावेद बाजवा का स्थान लिया था जो लगातार तीन वर्षीय दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। वैसे असीम मुनीर ने अब तक कोई लड़ाई जीती नहीं है और सिर्फ कट्टरपंथ को ही आगे बढ़ाया है। लेकिन फिर भी उनकी पदोन्नति को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए यह याद करना ज़रूरी है कि पाकिस्तान के पहले फील्ड मार्शल अय्यूब ख़ान अपने देश के पहले सफल सैन्य तख्तापलट के सूत्रधार भी थे।

या अब्राहमिक भाईचारे के मुकाबले हान-हिंदू-स्लाविक भाईचारे को मजबूत कर पाएंगे जिनपिंग-मोदी-पुतिन?

कमलेश पांडे

भले ही विभिन्न सयता-संस्कृति का समिलन-संघर्ष और उनका राजनीतिक उपयोग-दुरुपयोग देश-दुनिया के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन रूस-चीन के चक्रयूह में फंसा अमेरिका अब जो भू-राजनीतिक खेल अब्राहमिक ब्रदरहुड की आड़ में खेलने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है, वह यदि सफल होता है तो प्राचीनकाल लीन महाभारत, मध्ययुगीन धर्मयुद्ध, आधुनिक युगीन प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद एक और बड़ा युद्ध दरवाजे पर दस्तक देने वाला है। संभव है कि रूस-यूक्रेन युद्ध को ही निकट भविष्य में एक और बड़ा विस्तार मिल जाए।

हाल ही में भारत के खिलाफ पाकिस्तान को उकसाने की जो उसकी पुरानी रणनीति पुनः प्रकाश में आई है, उसमें चीन-भारत ने यदि रूसी प्रभाववश आपसी समझदारी न दिखाई होती, तो अमेरिका अपने क्षुद्र चाल सफल हो जाता! इसलिए सवाल उठता है कि अब्राहमिक भाईचारे के मुकाबले हान-हिंदू भाईचारे को मजबूत करने में जिनफिंग-मोदी अपनी भावी भूमिका निभाएंगे, या फिर अपनी भू-राजनीतिक अदूरदर्शिता का परिचय देते हुए भावी परोक्ष अमेरिकी रणनीति के समक्ष घुटने टेक देंगे, यक्ष प्रश्न है!कहना न होगा कि किसी भी देश या उसके मित्र राष्ट्र में सभ्यता-संस्कृति की चिंता और उन्हें पुनर्विकसित करने-करवाने वाली भविष्य की योजना, उसपर आधारित अद्यतन सोच-समझ स्पष्ट होनी चाहिए। कहने का तातपर्य यह कि ऐसे महत्वपूर्ण देशों को दूर की सोच रखनी चाहिए। इसलिए तो एक तरफ जहां अमेरिका जैसा मजबूत राष्ट्र भी भावी रूसी-चीनी-भारतीय महात्रिकोण (ब्रिक्स संगठन के रणनीतिकार पार्टनर देश) का मुकाबला करने के लिए नाटो के अलावा पाकिस्तान-सऊदी अरब-कतर तथा ईरान के साथ अपने याराना को मजबूत कर रहा है।

खास बात यह है कि अमेरिका यह सबकुछ तब कर रहा है जबकि इनमें से कुछ देशों से वह खार खाए रहता है। जैसे अमेरिका-ईरान यदि एक दूसरे के करीबी बनते हैं तो यह कितने आश्चर्य की बात होगी। अमेरिका-इजरायल यदि अब्राहमिक ब्रदरहुड के नाम पर अपने मतभेद भुला देते हैं तो यह कितने आश्चर्य की बात होगी। हालांकि, इसी प्रकार की समझदारी यदि भारत-चीन भी दिखा दें तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों में भी ऐसी रणनीतिक समझदारी विकसित करवाई जा सकती है, क्योंकि सवाल सभ्यता-संस्कृति की पुनररक्षा से जुड़ा हुआ है। देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो हर ब्रेक के बाद बदलती कूटनीति है, वह यह स्पष्ट रूप से बतलाती है कि निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए मौकापरस्त अमेरिका निकट भविष्य में बहुत कुछ रणनीतिक फेरबदल इसलिए करने वाला है, क्योंकि रूस से भारत को तोड़ने और चीन से भारत को भिड़ाने की जो उसकी सोची समझी चाल थी, मोदी प्रशासन ने उसकी हवा निकाल दी है। दक्षिण चीन सागर से लेकर तिब्बत, कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश के अलावा पाकिस्तान-बांग्लादेश-म्यांमार जैसी थोपी हुई कूटनीतिक मुसीबतों से पार पाने की कला अब भारत सीख चुका है, वो भी बिल्कुल अपने दम पर। यही वजह है कि हथियार लॉबी के इशारों पर थिरकने वाला अमेरिका और उसका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अबू धाबी में शेख के साथ 'अब्राहमिक फ़ैमिली हाउस' घूमने पहुंचा है, जो कि काफी बड़ी बात है। इसलिए इसके इशारों को समझदारी पूर्वक लोगों को समझाना चाहिए। बताते चलें कि भले ही अपने पहले चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने मुसलमानों के खिलाफ तेवर दिखा कर काफी लोकप्रियता पाई थी। लेकिन 2016 में राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने जिस प्रकार से कुछ इस्लामी देशों के लोगों की आवाजाही रोकी और आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिकी सेना को झोंका, उसे नेस्तनाबूद किया, वह गौर करने वाली बात थी।

हालांकि तब भी वे सऊदी अरब और कतर पर फिदा थे, मेहरबान रहते थे। उन्होंने अपनी चतुराई से एक ओर यहूदी देश इजराइल के नेतन्याहू को साधा तो दूसरी ओर उसके धुर विरोधी सऊदी अरब और कतर को महत्व दिया। वहीं, वर्ष 2017 में राष्टपति ट्रंप जब अपनी पहली विदेश यात्रा पर रियाद गए तो वह एक नए गठबंधन की शुरुआत थी। क्योंकि उन्होंने उस यात्रा में पचास से अधिक मुस्लिम देशों के नेताओं को संबोधित किया। इसप्रकार ईरान के खिलाफ साझा मोर्चा बनाने और अरब बिरादरी को नई दिशा देने की जमीन उन्होंने बनाई।

हालांकि, शेष दुनिया तब हैरान थी जब वर्ष 2020 में अमेरिकी मध्यस्थता से संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इज़राइल के साथ ऐतिहासिक 'अब्राहमिक ब्रदरहुड समझौते' पर दस्तखत किए। बता दें कि 1979 में मिस्र और 1994 में जॉर्डन ने भी इज़राइल को कूटनीतिक मान्यता भी दी है। सम्भवतया राष्टपति ट्रंप के इसी तेवर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी फिदा थे, लेकिन अपने स्वभाव के मुताबिक बहुत ही फूंक फूंक कर वो कदम रख रहे थे।

वहीं, अब मौजूदा हालात पर भी गौर फरमाइए। एक तरफ इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू फिलस्तीनी मुसलमानों को तबाह करके गाजा से भगा दे रहे हैं। इसके बावजूद कतर, सऊदी अरब, खाड़ी देशों ने नेतन्याहू पर वरदहस्त रखे हुए डोनाल्ड ट्रंप का दिल खोल कर स्वागत किया है। ऐसा सिर्फ इसलिए कि अरब-खाड़ी देश अमेरिका से वह सब कुछ ले रहे हैं, जो उन्हें चाहिए और अमेरिका को भी वह सब कुछ दे रहे हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं।

इस प्रकार हम आप कल्पना नहीं कर सकते हैं कि एआई के वैश्विक पैमाने के डाटा सेंटर की स्थापना से लेकर बेइंतहां अमेरिकी हथियारों की खरीद के साथ पश्चिमी सभ्यता की कसौटियों के विश्वविद्यालयों, बौद्धिक संस्थानों, मीडिया, म्यूजियम, फैशन याकि दुनिया की सॉफ्ट और हार्ड पॉवर बनने की जैसी प्लानिंग सऊदी अरब, कतर, यूएई की धुरी पर गुल खिला रही है, वह कमोबेश क्षेत्रीय व वैश्विक दीर्घकालीन उद्देश्यों में अभूतपूर्व है।

कहने का अभिप्राय यह कि इनकी वित्तीय ताकत की पहले से ही एक धुरी है। ऐसे में यदि इनके साथ अमेरिका के राष्टपति ट्रंप के कारण इजराइल से अरब देशों का सद्भाव बना रहा तो पृथ्वी का यह इलाका भविष्य में उस महाशक्ति क्षेत्र का पर्याय हो सकता है, जो रूस, चीन, भारत और यूरोपीय संघ में शामिल कई महत्वपूर्ण देशों को पछाड़ता हुआ सबसे आगे होगा। इसलिए इन देशों को अभी से चौकस होना होगा। एकजुटता दिखानी पड़ेगी। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है और आप समझ-बूझ भी विकसित कर सकते हैं कि तब कतर, सऊदी अरब, अबू धाबी, दुबई आदि देशों का बड़ा प्रभाव वाला क्षेत्र कौन सा होगा? तो हम यहां पर स्पष्ट कर दें कि सबसे पहले ये दुनिया की मुस्लिम जमात के मसीहा और संरक्षक होंगे। साथ ही एशिया खासकर दक्षिण एशिया इनकी मनमाफिक कॉलोनी यानी कि दिलचस्पी वाला महत्वपूर्ण बाजार होगा। जिसमें पाकिस्तान उनकी एटमी महाशक्ति होगी और भारत पर इनका वित्तीय-आर्थिक कब्जा होगा। ऐसा शायद इसलिए भी सम्भव हो पाएगा कि हम हिंदुओं का दिमाग छोटा और कूपमंडूक की मानसिकता वाला है। वहीं मोटामोटी अध्ययन करें तो यह स्पष्ट है कि चीन के बाद अरब-खाड़ी देशों में ही हमारा आर्थिक टेटुआ ज्यादा फंसता हुआ है। जिसकी कोई काट फिलवक्त हमारे पास नहीं है। यही वजह है कि भारत सरकार के मातहत यह अध्ययन होना चाहिए कि भारत के शेयर बाजार से लेकर अंबानी, अडानी जैसे कथित देशी जगत सेठों ने अरब-खाड़ी देशों से कितनी पूंजी लेकर उन्हें कितना मुनाफा कमा कर दे रहे हैं या फिर ऐसा करने का वादा किया हुआ है? क्योंकि मुझे मिली यह जानकारी हैरान कर गई कि मुकेश अंबानी के रिलायंस ने रिटेल दुकानदारी के धंधे में भी कतर के सार्वभौम फंड का पैसा निवेश किया हुआ है। कहने का तातपर्य यह कि जैसे चीन ने किया है, ठीक वैसे ही अरब-खाड़ी देशों ने भारत में अपना तंत्र बना लिया है। दो टूक शब्दों में कहें तो ये भारत के अडानी-अंबानी आदि एकाधिकारी सेठों को एजेंट बना कर उनके जरिए भारत के बाजार पर कब्जा रखने-बनाने की रणनीति में मशगूल हैं।

वहीं मेरा विश्वास है कि निश्चित रूप से ये ऐसा पाकिस्तान, बांग्लादेश में भी कर रहे होंगे। क्योंकि पाकिस्तान का शरीफ घराना तो वैसे ही पूरी तरह बिकाऊ है, जैसे हमारे धंधेबाज बनिया (जाति नहीं प्रवृति) हैं।

सही कहा राहुल जी, देश को सच्चाई जानने का हक है

डॉ. आशीष वशिष्ठ

फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक वॉल्टेयर कहते हैं कि- किसी भी व्यक्ति को उसके प्रश्नों से पहचानें, न कि उसके उत्तरों से। हमारे द्वारा किसी से भी पूछा गया प्रश्न यूं तो साधारण मालूम होता है, लेकिन यह हमारी संवेदनशीलता और चरित्र का भी मूल्यांकन करता है। इसलिए लिहाज़ा जब भी प्रश्न करना हो तो उससे पहले स्वयं से प्रश्न करना आवश्यक है।

पिछले लगभग 11 वर्षों में राहुल गांधी भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रश्न पूछते रहते हैं। प्राय- राहुल गांधी के प्रश्नों का मंतव्य देश, सेना और सरकार की छवि धूमिल करना होता है। अपनी आदत से मजबूर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। एक तरह से कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमाण मांगे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न पूछने के कारण राहुल गांधी पुन- एक बार पाकिस्तानी मीडिया की आंखों के तारे बने हुए हैं। राहुल गांधी का यह पोस्ट पाकिस्तानी मीडिया में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। राहुल गांधी के पोस्ट को पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया चैनलों और समाचार पत्रों ने भी हाथों-हाथ लिया है। कई टीवी डिबेट्स में इस पर चर्चा हो रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया कि 'विदेश मंत्री की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि यह निंदनीय है। मैं फिर से सवाल पूछता हूं- हमने कितने भारतीय विमान खोए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी? यह चूक नहीं थी, यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है।

वैसे यह कोई प्रथम अवसर नहीं है जब कांग्रेस या उसके नेता ने देश के गौरव, उपलब्धि और सेना के पराक्रम को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी कांग्रेस ने सेना से प्रमाण मांगे थे। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का कोई विमान हताहत नहीं हुआ। बावजूद इसके राहुल गांधी सेना के बयान को झूठा साबित करने में लगे हैं। ऐसा करके वो यह साबित करना चाहते हें कि भारतीय सेना सरकार के दबाव और कहने पर झूठ बोल रही है। सरकार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशवासियों से कुछ छिपा रही है।

वास्तविकता यह है कि, भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जैसा विध्वंस पाकिस्तान में किया है, उतना 1965 और 1971 के युद्ध में भी नहीं हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने जो किया वह चीन, तुर्किए और अमेरिका को भी सदमे में डालने वाला है। भारतीय सेना हर बार की भांति इस बार भी अतुलनीय, अपराजेय और अगम्य रही। कांग्रेस पार्टी भी सच्चाई से अवगत है। लेकिन, मोदी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर का कहीं श्रेय न मिल जाए, इसलिए वो क्षुद्र राजनीति पर उतर आई है। वास्तव में, कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते करते प्राय- राष्ट्र विरोध पर उतर आती है।

यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष हिंदू पर्यटकों को निर्दयता से मारा। बावजूद इसके, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा नहीं की? पाकिस्तान ही नहीं हमारे शत्रु चीन के साथ कांग्रेस के मधुर संबंध जगजाहिर हैं। कांग्रेस पार्टी का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू, डोकलाम विवाद के समय राहुल गांधी का चोरी-छिपे चीनी दूतावास के अधिकारियों से मिलना,चीनी झड़प के दौरान सरकार-सेना पर सवाल उठाना, सरकार की जगह पार्टी से परिवार के

लोगों का चीन जाना, कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान चीनी अधिकारियों से गुपचुप मुलाकात करना यह सब कांग्रेस पार्टी के साथ गांधी परिवार को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। 11 नवंबर 2019 को तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू ने एक खबर के मुताबिक, भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तुर्की में अपना एक विदेशी कार्यालय खोला है। यह वहीं तुर्की है जो हमारे शत्रु पाकिस्तान को हथियार देता है। कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताता है। कश्मीर के आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। क्या ये भारत के खिलाफ खड़े देशों से मेलजोल का हिस्सा है? क्या कांग्रेस तुर्की के ज़रिए पाकिस्तान से बैकडोर संवाद कर रही थी? क्या ये भारत के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र है?

राहुल जी, देश भी आपसे प्रश्न पूछना चाहता है। 1962 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार ने हजारों वर्ग किमी जमीन चीन क्यों हड़पने दी? 1971 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार अपने 54 वीर सैनिकों को पाकिस्तान से क्यों छुड़ा नहीं पाई? 1971 के युद्ध और शिमला समझौते से भारत को क्या हासिल हुआ? सिंधु जल संधि में भारत के हिस्से का पानी पाकिस्तान को क्यों दिया गया? तुर्की जैसे भारत विरोधी देश में आपकी पार्टी को आफिस खोलने की क्या जरूरत थी? चीन से गुपचुप मिलने और एमओयू साइन करने में कौन सा देश हित छिपा है? आतंकियों और उनके सरपरस्त पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया हमेशा %नरम% क्यों रहता है? देश को यह सच्चाई जानने का भी हक है।

राहुल जी, पिछले कुछ वर्षों में आपने कई बार विदेशी मंचों का प्रयोग भारत को लेकर विवादास्पद बयान देने के लिए किया है। इस पर आपकी पार्टी का यह तर्क रहा है कि वे भारत की %असली तस्वीर% दुनिया के सामने रख रहे हैं। लेकिन, राहुल जी आलोचना और अपयश में एक सूक्ष्म अंतर होता है। एक राष्ट्रीय नेता को यह समझना चाहिए कि देश और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए वक्तव्य केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की छवि, निवेशकों के भरोसे और वैश्विक कूटनीतिक संबंधों पर भी प्रभाव डालते हैं। राहुल जी, पंजाबी के चर्चित कवि शिव कुमार बटालवी ने लिखा है- 'चंगा हुंदा सवाल ना करदा मैंनूं तेरा जवाब लै बैठा।' अर्थात प्रश्न न करना ही अच्छा रहता है क्योंकि प्रश्न के उत्तर में जो कहा गया वो प्रश्न करने वाले को ही ले बैठा अथवा उसे ही तोड़ डाला या समाप्त कर डाला। हमारे द्वारा पूछे गए किसी प्रश्न का कोई क्या उत्तर देता है और किस अंदाज़ में देता है यह तो हमारे वश में नहीं होता, लेकिन प्रश्न पूछना अवश्य हमारे वश में होता है। कई बार ऐसे प्रश्न पूछ लिए जाते हैं जिनसे सामने वाले का मूल्यांकन होने के बजाय पूछने वाले का ही मूल्यांकन हो जाता है। राहुल जी, सच को कभी झुठलाया और छिपाया नहीं जा सकता। देश को सच जानने का हक है। जो सवाल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आपने पूछे हैं उनका जवाब तो सेना पहले ही दे चुकी है। लेकिन सच की आड़ लेकर आप और आपकी पार्टी जो झूठ, अविश्वास, संदेह और भ्रम फैला रही है, उससे सेना और देशवासियों के मनोबल और विश्वास को ठेस पहुंचती है।

रायपुर के प्राइवेट अस्पताल को नोटिस और 20,000 का जुर्माना

एयर-एंबुलेंस में डॉक्टर नहीं भेजने पर महिला की हुई थी मौत, कलेक्टर ने जवाब मांगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द करने के लिए कलेक्टर ने नोटिस जारी किया है। हॉस्पिटल पर यह कार्रवाई भारती देवी खेमानी की मौत से जुड़े मामले में की गई है। जिनकी मौत सितंबर 2024 में एयर एम्बुलेंस से ले जाने के दौरान हो गई थी।

कलेक्टर ने इस मामले में हॉस्पिटल पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इससे पहले कार्रवाई नहीं होने पर बेटा सोशल मीडिया पर विरोध में लगातार वीडियो भी बनाकर डाल रहा था। उनका आरोप था कि, हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाही से भारती देवी की मौत हुई है।

12 सितंबर 2024 को मौत के बाद परिजनों ने कुछ वीडियो भी जारी किए। साथ ही कई प्रदर्शन और मंत्रियों तक भी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इसके बाद इस मामले को उच्च स्तरीय जांच समिति को सौंपा गया था।

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि, मरीज को बिना डॉक्टर उपलब्ध कराए एम्बुलेंस के जरिए हॉस्पिटल से एयरपोर्ट रवाना किया गया। रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर ने इसे बड़ी लापरवाही माना। जिसके बाद हॉस्पिटल का लाइसेंस सस्पेंड करने नोटिस देकर 30 दिन में जवाब मांगा है।

भारती खेमानी के बेटे ओमी खेमानी ने बताया कि, उनकी मां को स्वाइन फ्लू के इलाज के लिए ह्यस्ब्द्ध में 2 सितंबर को एडमिट कराया था। 12 सितंबर को हॉस्पिटल ने उनकी मां को हैदराबाद रेफर करने की सलाह दी। खेमानी ने बताया कि जिस एम्बुलेंस से उनकी मां को एयरपोर्ट भेजा गया, उसमें कोई डॉक्टर ही नहीं था। वहीं रेड एयर एम्बुलेंस में भी ऑक्सीजन नहीं था।

एयरपोर्ट ले वक्त उनकी मां की मौत हो गई। डॉक्टरों ने नेचुरल डेथ बताया। लेकिन परिवार वालों ने इसे नेचुरल डेथ मानने से इनकार कर दिया। परिजनों को आरोप था कि भारती देवी की डेथ डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से हुई है। पूरे मामले पर परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा भी किया था।

ओम के भाई बाबू खेमानी ने बताया कि मरीज को बेहतर अस्पताल में इलाज के लिए करीब 10 दिन तक भर्ती रखा था, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। हैदराबाद रेफर करने के लिए रेड एयर एम्बुलेंस ने 6 लाख 11 हजार रुपए लिए थे, लेकिन इनकी लापरवाही मां की जान चली गई।

सक्ती रियासत के राजा को रेप केस में सजा

राजपरिवार की ही महिला से किया अप्राकृतिक दुष्कर्म; बीजेपी नेता और जिला पंचायत सदस्य भी हैं

मीडिया ऑडीटर, सक्ती (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में राजघराना परिवार के वर्तमान राजा धर्मेंद्र सिंह को 7 साल की सजा मिली है। धमेंद्र ने राजपरिवार की ही एक महिला के घर घुसकर अप्राकृतिक रेप किया था। पीड़िता ने सक्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने सजा सुनाई है।धर्मेंद्र सिंह भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य भी हैं। बता दें कि सक्ती राज परिवार के राजा सुरेंद्र बहादुर ने अपने बावर्ची के बेटे धर्मेंद्र सिंह को उत्तराधिकारी बनाया था। साल 2021 में इनका राज्याभिषेक किया गया था। लेकिन राजा सुरेंद्र बहादुर की पत्नी गीता राणा सिंह ने सार्वजनिक रूप से कुंवर धर्मेंद्र को पुत्र मानने से मना कर दिया है। मामला 2022 का है। राजपरिवार की एक महिला ने दत्तक उत्तराधिकारी राजा धर्मेंद्र सिंह (30 साल) के खिलाफ अप्राकृतिक अनाचार करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। सक्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़कर अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया था। वे सक्ती रियासत के पांचवें महाराज बने थे। जिन्हें गीता राणा ने मान्यता नहीं दी। राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के निधन के बाद धर्मेंद्र सिंह ने राजघराने की जिम्मेदारी संभाली थी। वह भाजपा समर्थित जिला पंचायत सभापति भी हैं। फास्ट ट्रैक कोर्ट के शासकीय अधिवक्ता मुन्ना पटेल ने बताया कि न्यायाधीश गंगा पटेल ने धारा 376, 450 भारतीय दंड संहिता के मामले में दोष सही पाए जाने पर 21 मई 2025 को सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 10 हजार रूपए अर्थदंड का जुर्माना भी लगाया है।न्यायालय के फैसले के बाद धर्मेंद्र सिंह को तुरंत जेल भेज दिया गया है। बता दें कि धारा 376 के तहत 7 साल सजा और 10 हजार जुर्माना और धारा 450 के तहत 5 साल सजा और 5 हजार जुर्माना लगाया गया है।

रायगढ़ में मां और 2 बच्चों की संदिग्ध मौत

घर के बिस्तर में मिली 3 लाशें, 3-4 दिन पुराने शव, बदबू आने से चला पता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रायगढ़ जिले में एक घर के बिस्तर में 3 लाशें मिली हैं। ये लाशें मां और उसके दो बच्चों की हैं। तीनों शव 3 से 4 दिन पुराने बताए जा रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह मामला आत्महत्या या हत्या का है।

मामला छाल थाना क्षेत्र के ग्राम कीदा का है। जानकारी के अनुसार, गांव की रहने वाली 35 वर्षीय सुकांति साहू अपने दो बच्चों के साथ घर में रहती थी। उसका पति महेंद्र साहू मजदूरी करता है। सोमवार को काम के सिलसिले में बाहर गया हुआ था।

गुरुवार दोपहर गांव वालों को महेंद्र के घर के पास से तेज दुर्गंध आने लगी। ग्रामीणों ने इस बारे में सरपंच को जानकारी दी। सरपंच और कुछ लोग जब मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने आसपास जांच की लेकिन कुछ नहीं दिखा।

हालांकि, घर के अंदर से आ रही तेज बदबू से उन्हें शक हुआ। जब देखा गया कि घर अंदर से बंद है और किसी की कोई आवाज नहीं आ रही, तो लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

छाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा किसी तरह खोला गया। अंदर देखा कि बिस्तर पर सुकांति साहू (35 साल), उसका बेटा युगल साहू (10 साल) और बेटी प्राची साहू (8 साल) की लाशें पड़ी थीं।

शव काफी हद तक सड़ चुके थे। पुलिस ने आशंका जताई कि इनकी मौत 3 से 4 दिन पहले हुई होगी। पूरे कमरे में दुर्गंध फैली हुई थी। पुलिस ने मौके पर जांच शुरू कर दी है और मृतका के पति महेन्द्र साहू समेत आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ की, लेकिन अभी तक मौत को लेकर कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है।

छाल थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने बताया कि शुरुआती जांच में मृतकों के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। शव बुरी तरह सड़ चुके थे।मृतका के पति महेन्द्र साहू ने पूछताछ में बताया कि वह सोमवार से मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ था।

फिलहाल तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी हुई है।

हैदराबाद में बैठे नक्सल समर्थकों से बात नहीं होगी

जबतक नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता ऑपरेशन चलेंगे,अब तक मारे गए 424

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। नक्सल ऑपरेशन में प्रदेश को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को मीडिया से मुखातिब हुए। अंबिकापुर दौरे के बाद रायपुर पहुंचते ही उन्होंने सीधे प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। साथ में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा थे। अंबिकापुर दौरे से लौटते ही दोनों सिविल लाइन के सर्किट हाउस पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा- माओवादियों के बीच नंबर वन नेता माना जाने वाला बसवा राजू मारा गया है। 3 दशकों में यह पहली बार हुआ है। नक्सलियों की कमर टूटी है। मैं अपने सुरक्षा बल के जवानों के साहस को प्रणाम करता हूं। जब तक प्रदेश से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, एंटी नक्सल ऑपरेशन चलता रहेगा।

प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- वह लोग जो हैदराबाद में बैठकर राज्य की सरकारों को क्या करना चाहिए ये बताते हैं, उनसे चर्चा या बातचीत नहीं हो सकती, क्योंकि वह बस्तर के दुख में कभी खड़े नहीं हुए। माओवादी चाहे तो हमारे मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार बात कर सकते हैं। वो बात करना चाहेंगे तो कहीं कोई समस्या नहीं है। केंद्र की सरकार एक गोली नहीं चलाना चाहती। अमित शाह जी ने अपने

प्रवास के दौरान साफतौर पर यह बात कही थी। उन्होंने नक्सलियों से मुख्य धारा में आने की अपील की थी।

मुख्यमंत्री साय ने स्वयं ही विनतीपूर्वक कहा है कि आप मुख्य धारा में आइए। बस्तर को आतंक से मुक्त करें। इंद्रावती नदी के किनारे आराम से शाम को लोग बैठ सके ऐसी स्थिति बनाएं। वहां पर स्कूलों को ब्लास्ट करके उड़ाया ना जाए। वहां आईईडी ब्लास्ट करके लोगों को जिंदगी भर जानवर जैसा जीवन ना दिया जाए। वहां गांव तक विकास के मार्ग में आईईडी बिछाकर रख दी गई है। यह सारी ही स्थिति खत्म होनी चाहिए। इसलिए सरकार का अभियान है। भाजपा की सरकार बनने के बाद अब तक 424 नक्सली मुठभेड़ में न्यूट्रलाइज हुए हैं। 524 ने सरेंडर किया है और 413 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं।

विजय शर्मा ने कहा- इस साल 2025 में समर्पण की संख्या ज्यादा है, गिरफ्तार की संख्या कम है। यह बड़ी स्पष्टता को दिखाता है जो अभियान सरकार चला रही है, ये उसका असर है। जो संकल्प देश के गृहमंत्री अमित शाह ने लिया है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म हो उसी पर काम कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ इतना है कि बस्तर के कोने-कोने तक भारतीय संविधान लागू होना चाहिए।

शर्मा ने आगे कहा- बस्तर के गांव-गांव तक विकास के मार्ग प्रशस्त होने चाहिए। बस्तर में लोगों को लगभग बंधक बनाकर रखा गया है। यह नक्सली बस्तर के आदिवासियों की हत्या करते हैं। इस बात का प्रमाण कई घटनाएं हैं। यह कभी होने नहीं दिया जा सकता। जो पुनर्वास करना चाहते हैं जो मुख्य धारा में आना चाहते हैं उनके लिए आज तक की सबसे अच्छी पुनर्वास नीति बनाई हुई है। इससे अच्छी पुनर्वास नीति देश में कहीं नहीं है।

सारंगढ़ से बलौदाबाजार पहुंचा हाथियों का झुंड

अर्जुनी में दल से बिछड़ा एक नर हाथी; 3 किसानों का धान की फसल को नुकसान

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (एजेंसी)। सारंगढ़ में विचरण कर रहा 27 हाथियों का झूंड बलौदाबाजार जिले में पहुंच गया है। गुरुवार को अर्जुनी परिक्षेत्र के जंगल में 28 हाथी देखने को मिले है। इनमें से 27 हाथी गाताडीह कक्ष क्रमांक 370/371 में विचरण कर रहे हैं। एक नर हाथी झुंड से अलग होकर कोठारी जंगल में है।

यह झुंड करीब एक साल बाद सारंगढ़ के जंगलों से यहां आया है। वन अधिकारियों के मुताबिक, हाथियों ने यहां भी फसलों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। जंगल में पर्याप्त चारा और पानी होने से झुंड वहीं है। हालांकि, एक अकेला नर हाथी खतरनाक हो सकता है। इसका व्यवहार अप्रत्याशित और आक्रामक हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम महाराजी के अशोक पैकरा, ईश्वर पैकरा, जेठू राम कर्ष के करीब 2 एकड़ धान का फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग ने हाथियों को वापस जंगल की ओर मोड़ने के लिए फायर क्रैकर्स, चमकीले रोशनी वाले फ्लैशलाइट और अन्य हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं।

वन अधिकारियों के मुताबिक, हाथियों का यह प्रवास भोजन और पानी की तलाश में हुआ है। एक हाथी रोजाना 200-300 किलोग्राम भोजन और 50 लीटर तक पानी की खपत करता है। वर्तमान में हाथियों का झुंड जंगल से लगी धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है।

वन विभाग और वन मित्रों की टीमें लगातार हाथियों पर नजर रख रही हैं। फसल को कम से कम नुकसान हो, इसके लिए विशेष निगरानी की जा रही है। वन विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी करवाई है। ग्रामीणों को हाथियों के रास्ते से दूर रहने की सलाह दी गई है।झुंड से अलग हुए दंतैल हाथी को लेकर वन विभाग विशेष रूप से चिंतित है। अकेले हाथी अक्सर तनावग्रस्त और आक्रामक हो जाते हैं। इसलिए, वन विभाग की टीमें ड्रोन और ट्रैकिंग के जरिए इस हाथी पर नजर बनाए हुए हैं।

रीवा की खबरें

उद्योग विभाग की कार्यशाला 24 मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के विकास के लिए आरएएमपी योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नवीन प्रावधान किए गए हैं। इस संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला 24 मई को आयोजित की जा रही है। इस संबंध में जिला महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि कार्यशाला स्टार होटल में शाम 6 बजे आरंभ होगी। कार्यशाला में मध्यप्रदेश की एमएसएमई डवलपमेंट पालिसी, एमएसएमई भू आवंटन नियम 2025 तथा एमपी स्टार्टअप पालिसी की जानकारी दी जाएगी। सभी आमंत्रितों से कार्यशाला में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है। बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि सभी किसान किसान क्रेडिट कार्ड बैंकों के माध्यम से बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम, पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है। किसान क्रेडिट कार्ड पाँच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद इसकी कार्यशील पूंजी का नवीनीकरण वार्षिक आधार पर किया जाता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण राशि की अधिकतम सीमा फसल के अनुसार निर्धारित रहती है। बैंक द्वारा तीन लाख रुपए तक के केसीसी में कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाता है। किसान जितनी राशि का उपयोग करता है उस पर ही ब्याज देय होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ब्याज की दर सात प्रतिशत निर्धारित है। लेकिन किसान समय पर ऋण राशि अदा कर देता है तो उसे तीन प्रतिशत ब्याज में छूट मिलती है। किसान को केवल चार प्रतिशत ब्याज ही देना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसान अपनी खेती को आधुनिक बना रहे हैं। खेती में निवेश के लिए उन्हें साहूकारों के भी चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

वनाधिकार अधिनियम की कार्यशाला आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वनाधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन के संबंध में संभागीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला 23 मई को आयोजित की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि कार्यशाला सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विन्ध्या रिट्रीट होटल में आयोजित की जा रही है। इसमें रीवा तथा मऊगंज के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग शामिल रहेंगे।

श्रवण एवं दृष्टि बाधित विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश का अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय श्रवण एवं दृष्टि बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में अधीक्षक ने बताया कि श्रवण एवं दृष्टि बाधित बच्चे कक्षा एक में निःशुल्क प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के आवेदन पत्र के साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूनिक आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, आधार पंजीयन, समग्र आईडी, बैंक खाता संख्या तथा निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। सभी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रवेश के संबंध में संपर्क किया जा सकता है।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में जिला पंचायत को मिला प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत रीवा को सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में अप्रैल माह की ग्रेडिंग में प्रथम स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने सीएम हेल्पलाइन शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुर्जर ने कहा कि जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर तत्पता से कार्यवाही की। अधिकतर प्रकरणों को समुचित कार्यवाही के बाद संतुष्टिपूर्वक निराकृत किया गया जिससे जिला पंचायत को रैंकिंग में प्रथम स्थान मिला। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

कुओं के रिचार्ज पिट का कार्य 15 जून तक पूरे करें - सीईओ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की विकासखण्डवार समीक्षा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब तथा अमृत सरोवरों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। सभी जनपदों को ट्यूबवेल और कुंओं में रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य दिया गया है। रिचार्ज पिट बनाने का कार्य 15 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा करा लें। मौसम विभाग द्वारा मानसून के 15 जून तक आ जाने की संभावना व्यक्त की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए तेजी से निर्माण कार्य पूरे कराएं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मनरेगा योजना से अपूर्ण कार्यों को पूरा कराने में भी विशेष ध्यान दें। जिन कार्यों में 60 प्रतिशत से अधिक की राशि व्यय हो चुकी है उन्हें 15 जून तक हरहाल में पूरा कराकर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं। अभियान के दौरान वृक्षारोपण के लिए स्थान निर्धारित करके वृक्षारोपण की भी तैयारी शुरू करा दें।

रिजफरो सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल बनाता है बुआई के लिए मेड़ और नाली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दलहनी और तिलहनी फसलों में पानी की कम आवश्यकता होती है। इसी तरह सोयाबीन की फसल को भी कम पानी की आवश्यकता होती है। अधिक बारिश और जल भराव होने पर सोयाबीन के पौधे गलने लगते हैं। यही प्रभाव मूंग, उड़द, अरहर आदि की फसलों में होता है। इस समस्या को दूर करने के लिए रिजफरो सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल बहुत उपयोगी है। इसे किसी भी ट्रैक्टर से चलाया जा सकता है। इसके उपयोग से खेत में फसल की बोनी के लिए नाली और पतली मेड़ का चार की कतार में निर्माण होता है। सोयाबीन तथा अन्य फसलें मेड़ की ढलान पर बोई जाती हैं। अधिक वर्षा होने पर नालियों के माध्यम से पानी खेत से बाहर हो जाता है जिससे गलन की समस्या दूर होती है। यदि बारिश कम होती है तो मेड़ में संचित नमी पौधे के लिए उपयोगी साबित होती है। खेत में नाली और मेड़ बन जाने से इसमें अंतरवर्ती फसल भी ली जा सकती है। इसके उपयोग से कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित हो जाती है जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है। इसका उपयोग सोयाबीन सहित सभी दलहनी और तिलहनी फसलों के लिए बहुत कारगर है। इसकी खरीद में कृषि विभाग द्वारा अनुदान की सुविधा दी जा रही है।

अब नीट-पीजी में मेडिकल संस्थानों को फीस डिटेल्स देनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-पीजी की काउंसलिंग से पहले अब सभी प्राइवेट और डीम्ड मेडिकल यूनिवर्सिटीज को अपनी फीस डिटेल्स जारी करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश गुरुवार को नीट-पीजी में ट्रांसपेरेंसी से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने काउंसलिंग के समय सीट ब्लॉक करने पर पेनल्टी लगाने का भी ऑर्डर दिया। साथ ही कहा कि अगर कोई स्टूडेंट्स ऐसा करता है तो उसे नीट-पीजी के अगले एग्जाम से डिस्क्वालिफाई कर दिया जाए। नीट-पीजी 2024 परीक्षा के एस्पिरेंट्स ने सितंबर 2024 में परीक्षा में पारदर्शिता के लिए याचिकाएं दायर की थीं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- ईडी ने सारी हदें पार कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने सारी हदें पार कर दी हैं। जब राज्य सरकार की जांच एजेंसी इस मामले में कार्रवाई कर रही है तो ईडी को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ईडी देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन और तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। टीएएसएमएसी पर शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। इसमें कहा गया कि शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में भ्रष्टाचार किया गया। ईडी भी इसकी जांच कर रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने ईडी की जांच पर रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने तो टीएएसएमएसी की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतगी, और ईडी की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें रखीं।

वाराणसी में एटीएस ने पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी एटीएस ने गुरुवार को वाराणसी से पाकिस्तानी जासूस मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया। वह पाकिस्तानी सेना के एक अफसर की पत्नी से 4 महीने तक संपर्क में रहा। तुफैल वाराणसी में नवापुरा, आदमपुरा का रहने वाला है। छानबीन में सामने आया है कि तुफैल ने पाकिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाद रिजवी के वीडियो वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर किए थे। साथ ही, 'गजवा-ए-हिंद करने, बाबरी मस्जिद का बदला लेने और भारत में शरीयत लागू करने से जुड़े मैसेज शेयर किए थे। खुफिया एजेंसियों का इनपुट है कि तुफैल ने राजधानी दिल्ली से लेकर वाराणसी तक के अहम स्पॉट की तस्वीरें और उनसे जुड़ी जानकारियां शेयर कीं। इनमें दिल्ली का राजघाट, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद, लाल किला, निजामुद्दीन औलिया शामिल है। इनके अलावा काशी के नमोघाट और ज्ञानवापी से जुड़े कंटेंट भी पाकिस्तानी नंबरों पर शेयर किए थे।

पीएम बोले- हमारी सेना पाक को घुटनों पर लाई

बीकानेर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बीकानेर आए। जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर देशनोक के पलाना में हुई सभा में मोदी करीब 40 मिनट बोले। उन्होंने साफ कर दिया कि पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया जाएगा।

भारतीयों की जान से खेलने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। हिंदुस्तान का लहू बहाने वालों को कतरे-कतरे का हिसाब चुकाना पड़ेगा।

इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान की सीमा के नजदीक देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही 26 हजार करोड़ रुपए के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। बीकानेर के नाल एयरबेस से मोदी सीधे करणी माता के मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। यहां से पलाना गांव में जनसभा करने पहुंचे।

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, उन गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी और तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

22 मिनट में आतंकी ठिकाने तबाह किए पहलगाम हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकाने तबाह किए।

दुनिया ने देखा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है? पांच साल पहले बालाकोट में देश ने एयरस्ट्राइक की थी। उसके बाद मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। वीर भूमि का ही ये तप है कि ऐसा संयोग फिर बना कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीकानेर में सभा हो रही है।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद से निपटने के तीन सूत्र तय किए। पहला, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो करारा जवाब मिलेगा। समय हमारी सेनाएं तय करेंगी, तरीका भी हमारी सेना तय करेगी और शर्तें भी हमारी होंगी। दूसरा, एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। तीसरा, हम आतंक के आकाओं और आतंक की सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

श्रीकांत शिंदे वाले डेलिगेशन अबूधाबी पहुंचा

अबू धाबी (एजेंसी)। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला सर्वदलीय डेलिगेशन गुरुवार को यूएई पहुंचा। अबू धाबी में राष्ट्रीय मीडिया कार्यालय के महानिदेशक डॉ. जमाल मोहम्मद ओबैद अल काबी से डेलिगेशन ने मुलाकात की और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।

बातचीत में शिंदे ने कहा- हमने उन्हें बताया है कि भारत पर कई सालों से हमले हो रहे हैं, मुंबई आतंकी हमला, पठानकोट हमला, पुलवामा हमला। इस पर डॉ. काबी ने कहा है कि उनको इसकी जानकारी है।

विदेश मंत्रालय बोला- पाकिस्तान से केवल द्विपक्षीय चर्चा होगी

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- भारत उन वांटेड आतंकियों को भारत को सौंपने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, जिनकी लिस्ट कुछ साल पहले पाकिस्तान को दी गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के दावे पर भारत के विदेश मंत्रालय का बयान आया। वीकली प्रेस ब्रीफिंग में

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी संबंध द्विपक्षीय होना चाहिए, बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

तुर्किये पर विदेश मंत्रालय ने कहा- हम उम्मीद करते हैं कि तुर्किये, पाकिस्तान से कहेगा कि वह सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे और उस आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय और ठोस कदम उठाए, जिसे उसने दशकों से पनाह दे रखी है। द्विपक्षीय रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर ही बनते हैं।

राष्ट्रपति ने दिए गैलेंट्री अवॉर्ड्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह- आई में वीरता पुरस्कार प्रदान किए। ये अवॉर्ड ड्यूटी के दौरान असाधारण बहादुरी, समर्पण और बलिदान देने वालों के सम्मान में दिए गए।

पहले चरण में दिए गए गैलेंट्री अवॉर्ड के लिए राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। शौर्य चक्र पाने वालों में स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार, राजपूत रेजिमेंट 44वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विजय वर्मा, डिप्टी कमांडेंट विक्रांत कुमार, सीआरपीएफ के जेफरी हमिंगचुल्लो, इंस्पेक्टर (जीडी),

जम्मू और कश्मीर पुलिस के स्पेशल पुलिस ऑफिसर अब्दुल लतीफ, पैराशूट रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल सीवीएस निखिल, आर्मी सर्विस कोर के मेजर तृप्तप्रीत सिंह का नाम शामिल है।

वक्फ कानून- सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन मुद्दों कोर्ट द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को डिनोटिफाई करना, वक्फ-बाय-यूजर या वक्फ बाय डीड शामिल है। फैसला सुरक्षित रखने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने लगातार तीन दिन सुनवाई की। सीजेआई गवई ने कहा कि वक्फ के रजिस्ट्रेशन की जरूरत 1923 और 1954 के पूर्व कानूनों के तहत रही है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ के दर्जे को लेकर एक बार जांच शुरू हो जाए तो रिपोर्ट आने तक वक्फ का दर्जा खत्म हो जाता है।

सिब्बल ये भी बोले, देश में 200 साल से भी पुराने बहुत से कब्रिस्तान हैं। 200 साल बाद सरकार कहेगी कि यह मेरी जमीन है और इस तरह कब्रिस्तान की जमीन छीनी जा सकती है। इस पर सीजेआई ने कहा कि जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया गया?

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है। सीबीआइ ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी। दरअसल, सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते 300 करोड़ की रिश्वत ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के कहने पर मामला दर्ज किया था।

यूपी में आंधी-बारिश से 58 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां हल्की से भारी बारिश तक हो सकती है। हालांकि इन राज्यों के कुछ हिस्सों में तेज गर्मी का भी अलर्ट है। उत्तर प्रदेश में बुधवार शाम मेरठ, आगरा समेत 28 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इन जिलों में दो दिन में बिजली, पेड़ और दीवार गिरने और अन्य हादसों में 58 लोगों की मौत हो गई। फिरोजाबाद में आंधी से उड़कर आई टीनशेड से महिला की गर्दन कट गई। 39 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ में बुधवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने मुताबिक, आज 10 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। वहीं जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के आसपास तूफान से कई स्कूल ढह गए। सेना रेस्क्यू में मदद कर रही है। इधर, दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम करीब 8 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई और कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। तेज आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे तक गिर गए, जिस वजह से रास्ते जाम हो गए। आंधी-तूफान और बारिश के बीच दो लोगों की मौत भी हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। खराब मौसम के चलते मेट्रो सर्विस भी प्रभावित हुई, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट लेट हुईं।

ऑपरेशन सिंदूर पर कमेंट करने वाले हरियाणा के प्रोफेसर रिहा

सोनीपत (एजेंसी)। सेना के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को रिहा कर दिया गया। एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट से प्रोफेसर को सशर्त जमानत मिली थी। गुरुवार को करीब 4 बजे उनके वकील कागजात लेकर सोनीपत जेल में जमा करने गए। उसके बाद उन्हें इंतजार करने के लिए कहा गया। कुछ देर बाद अली खान के वकील को बुलाया गया। 4:56 पर अली खान को जेल से बाहर निकाला गया और फिर उत्तर प्रदेश नंबर की कार में बैठाकर ले जाया गया। जेल के मुख्य गेट से गाड़ी स्पीड में दौड़ाई गई। प्रोफेसर को जिस कार में ले जाया गया, उसके आगे-पीछे 2 गाड़ियां चल रही थीं। इस दौरान सोनीपत बस स्टैंड के पास देवीलाल चौक पर आगे चल रही गाड़ी ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी, जिसमें स्कूटी सवार महिला बाल-बाल बच गई।

जासूसी मामले में ज्योति की रिमांड 4 दिन बढ़ी

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार पुलिस गुरुवार सुबह साढ़े 9 बजे कोर्ट लाई। करीब डेढ़ घंटे तक उसकी रिमांड पर बहस चली। इसके बाद हिसार पुलिस को ज्योति की 4 दिन की रिमांड और मिल गई। हालांकि पुलिस ने 7 की रिमांड की मांग की थी। इस पर जज ने कहा कि 7 दिन की रिमांड

किसलिए चाहिए। पुलिस ने कहा कि ज्योति ने देश में कई जगह ट्रैवल किया है, उसकी ट्रैवल हिस्ट्री निकालनी है। अभी उसके फोन और लैपटॉप से डिजिटल एविडेंस नहीं मिले हैं।

इसको लेकर ज्योति से और पूछताछ की जानी है। कोर्ट ने चार ही दिन का रिमांड दिया। पेशी के बाद ज्योति को मीडिया की नजरों से बचाने के लिए पुलिस फिल्मी स्टाइल में उसे बाहर ले गई।

सिख म्यूजियम में मनमोहन सिंह के चित्र का विरोध

अमृतसर (एजेंसी)। गोल्डन टेंपल परिसर के सिख संग्रहालय में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का चित्र लगाए जाने के फैसले पर नया विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले का विरोध करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी पटियाला जेल में बंद बलवंत सिंह राजोआना ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। राजोआना ने पत्र में लिखा है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल में उस राजनीतिक पार्टी का प्रतिनिधित्व किया, जिसे उन्होंने सिखों पर अत्याचारों का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी, जिसकी ओर से मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे, 1984 के सिख विरोधी दंगों की जिम्मेदार है। ऐसे में उनका चित्र सिखों की शहादत और गौरव का प्रतिनिधित्व करने वाले संग्रहालय में लगाना अनुचित और अस्वीकार्य है।

बदायूं की फैक्ट्री में 100 धमाके, गांव छोड़कर भागे लोग

बदायूं। यूपी के बदायूं में तेज आंधी से मेंथा फैक्ट्री की चिमनी गिरने से आग लग गई। पलभर में आग ने विकराल रूप ले लिया। फिर वहां रखे नाइट्रोजन सिलेंडर फटने लगे। एक-एक करके करीब 100 सिलेंडर फटे। फैक्ट्री के लोहे के टावर मोम की तरह पिघलकर गिरने लगे। धमाकों से गांव के लोगों में दहशत फैल गई। लोग बाइक और कार से अपने-अपने परिवार को लेकर भाग गए। जिस वक्त घटना हुई, उस समय फैक्ट्री में 200 से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। सभी ने भागकर जान बचाई। हालांकि, एक मजदूर का पता नहीं चला है।

आग इतनी भयावह थी कि 60 फीट ऊपर तक लपटें उठती रहीं। 3 किमी दूर से धुएं का गुबार दिखाई पड़ रहा था। रात साढ़े 10 बजे से लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। सिर्फ 60 फीसदी आग बुझी है। 100 से ज्यादा फायर ब्रिगेड कर्मी आग बुझाने में लगे हैं।

हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फैक्ट्री जिला मुख्यालय से 18 किमी दूर कुड़ा नरसिंहपुर गांव में है।

सलमान के घर में जबरन घुस रहा शख्स गिरफ्तार

मुंबई। सलमान खान के घर में एक बार फिर एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 20 मई की है। खुलासा गुरुवार को हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। 2 दिन में यह दूसरी घटना थी। बीती रात ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। इसे भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। दोनों मामलों की जांच जारी है।

बांद्रा में एफआईआर दर्ज, आरोपी को एक बार भगाया तो फिर लौट आया

सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने स्ट्राइकर दर्ज की है। संदीप ने बताया कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक

अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया। संदीप ने कहा कि वह शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया और इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर प्रवेश कर गया।

बीसीसीआई का नया फैसला केकेआर को नहीं आया पसंद, उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के बीच में खेल की शर्तों में बदलाव के लिए बीसीसीआई के निर्णय पर सवाल उठाया है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने बताया कि उन्होंने आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन को एक लेटर भेजा है, जिसमें बोर्ड के निर्णय पर आपत्ति जताई गई है कि एक पूर्ण खेल को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय को 60 मिनट से बढ़ाकर 120 मिनट किया गया है।

मैसूर ने अमीन को पत्र लिखने का कारण 17 मई को आरसीबी के खिलाफ बारिश में रद्द हुआ मैच बताया, जिसने उनके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया। उनका मानना है कि उस रात 120 मिनट का अतिरिक्त समय कम से कम पांच ओवर प्रति पत्र मुकाबले की संभावना पैदा कर सकता था।

ये वही दिन था जब आईपीएल एक हफ्ते के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण निलंबित होने के बाद पुनःप्रारंभ हुआ। बीसीसीआई ने मंगलवार को प्लेऑफ के लिए आरक्षित होती है, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में मानसून के प्रभाव को देखते हुए फैसला लिया गया है। बीसीसीआई ने कहा कि प्लेऑफ चरण के समान शेष लीग चरण के मैचों के लिए अतिरिक्त एक घंटे का आवंटन किया जाएगा जो मंगलवार से शुरू होगा।

बीसीसीआई ने फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को सौंपी है। यही मैदान प्लेऑफ के क्वालिफायर-2 की मेजबानी करेगा। इसके अलावा पंजाब किंग्स का घरेलू मैदान मुल्लांपुर पहले क्वालिफायर के साथ-साथ एलिमिनेटर मैच की मेजबानी करेगा।

एकदिवसीय क्रिकेट का महत्व बना रहेगा-स्टीव वॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बाद पिछले कुछ साल में एक दिवसीय क्रिकेट का आकर्षण घटा है। ऐसे में एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे है। जहां कई दिग्गजों का मानना है की आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट प्रासंगिक नहीं रहेगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि एकदिवसीय प्रारुप का महत्व आगे भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक के समान है। वॉ ने माना है कि छोटे प्रारूपों के बढ़ते दबाव से इसपर प्रभाव पड़ा है लेकिन इसके बाद भी 2023 विश्व कप भारी तादाद में लोगों ने देखा था। उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट नहीं बचेगा पर सच ये है कि इसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात बने रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं। पता नहीं कैसे चलेगा पर अभी तो चल रहा है।

सर्जरी कराएंगे रोहित शर्मा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा है कि वो पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में रोहित अब केवल वनडे मैच खेलते हुए दिखेंगे। रोहित मौजूदा समय में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं, जिसमें वो 11 मैचों में 300 रन बना चुके हैं। अब एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद रोहित बाईं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवा सकते हैं। चूंकि रोहित अब सिर्फ वनडे मैच खेलेंगे और टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ है, जो 17 अगस्त से शुरू होगी।

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा और उसके बाद रोहित को सर्जरी से उबरने के लिए करीब ढाई महीने का समय मिल सकता है। क्रिकब्लॉगर के हवाले से एक सूत्र ने बताया कि, रोहित शर्मा अगर 2027 वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो ये उनकी सर्जरी के लिए सबसे सही समय है। रोहित कप्तान होने की जिम्मेदारी के कारण इस चोट को कई सालों तक ढो रहे हैं लेकिन रिटायरमेंट के बाद शेड्यूल उन्हें सर्जरी से उबरने में मदद करेगा। इस मामले पर बीसीसीआई या रोहित शर्मा की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल सवाल ये है कि रोहित सर्जरी कराने में देरी क्यों कर रहे हैं? तो सूत्र के हवाले से बताया गया है कि तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी के कारण उनके कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ था।

चूंकि अब उन्हें केवल वनडे फॉर्मेट पर ध्यान लगाना होगा, ऐसे में आईपीएल 2025 के बाद मिलने वाले ब्रेक का रोहित फायदा उठा सकते हैं।

पीवी सिंधु पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेलिशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत समेत पुरुष खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की है। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को 19-21,21-17, 21-16 से हराया।

अब उनका सामना जापान के युशी तनाका से होगा। वहीं सतीश करूणाकरन ने चीनी ताइपे के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन को 21-13, 21-14 से मात दी। अब वह फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से खेलेंगे। भारत के आयुष शेट्टी ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बाद में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने चीन के छठी रैंकिंग वाले लू गुआंग को 21-21, 13-21, 21-11 से हराया। सिंधु का खराब फॉर्म हालांकि, जारी रहा और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन थुए लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गईं। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने इंडोनेशिया के अदनान मौलाना और इंडाह काहया सारी जमील को 21-18, 15-21, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है।

सूर्यकुमार यादव ऑरेंज कैप की रेस में यशस्वी जायसवाल से निकले आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में अपनी टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेली। सूर्या ने बैटिंग के लिए बेहद मुश्किल पिच पर काफी कठिन परिस्थिति में मुंबई के लिए ऐसी पारी खेलकर टीम के स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने का काम किया। यही नहीं सूर्या अपनी इस पारी के दम पर ऑरेंज कैप की रेस में यशस्वी जायसवाल से आगे निकल गए।

सूर्या ने दिल्ली के खिलाफ खेलेत हुए अपना अर्धशतक 36 गेंदों पर मुस्तफिजुर रहमान की गेंद पर छक्का लगाकर पूरा किया। इस अर्धशतकीय पारी के दम पर वो इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ दिया। इस मैच में उन्होंने 43 गेंदों पर 73 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 7 चौके लगाए।

सूर्या ने इस सीजन में अब तक 13 मैचों में 583 रन 72.88 की औसतसे बनाए हैं। जबकि यशस्वी जायसवाल ने 14 मैचों में 559 रन बनाए थे। 583 रन के साथ अब सूर्या ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर आ गए जबकि यशस्वी चौथे नंबर पर खिसक गए। हालांकि, पहले नंबर पर अब बी 12 मैचों में 617 रन बनाकर साई सुदर्शन पहले जबकि 12 मैचों में 601 रन बनाकर दूसरे नंबर पर मौजूद हैं।

छाता लेकर अवॉर्ड लेने पहुंचे सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में जीत के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ में पहुंच गयी। इस मैच में मुम्बई की जीत में बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की अहम भूमिका रही।

इसके लिए सूर्यकुमार को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया पर मैच के बाद हुई तेज बारिश के कारण सूर्या को अवार्ड लेने छाता लेकर मंच पर जाना पड़ा हैं राहत की बात ये रही कि मैच के दौरान बारिश नहीं हुई। मैच के बाद हुई बारिश के कारण कप्तान हार्दिक पांड्या को इंटरव्यू को बीच में ही छोड़कर भागना पड़ा। वहीं सूर्यकुमार पीछे नहीं हटे और छाता लेकर अवॉर्ड लेने पहुंच गये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही तीन विकेट खो दिये। तब तक टीम के 58 रन ही बने थे।

इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने एक छोर को संभाला और बाकी बल्लेबाजों के साथ मिलकर स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। सूर्या ने 19वें ओवर में 27 और 20वें ओवर में 21 रन जोड़कर मुंबई को 180 के स्कोर पर ला खड़ा किया। वहीं 181 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की भी शुरुआत खराब रही।

बीसीसीआई का मतलब मोदी, इस पाकिस्तानी क्रिकेटर ने भारत के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर दोनों देशों के लोगों पर भी दिखा था। भारतीय सेना के कड़े रुख के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए नजर आए थे। अब पाकिस्तान का एक अन्य पूर्व क्रिकेटर भी भड़काऊ भाषण देने के कारण चर्चा में आ गया है। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारतीय

टीम एशिया कप 2025 में नहीं खेलेगी। हालांकि, बीसीसीआई ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है। इस बीच तनवीर अहमद के बीसीसीआई पर बयान ने बवाल मचा दिया है। तनवीर अहमद ने जहर उगलते हुए कहा कि, बीसीसीआई ने एशिया कप खेलने से मना कर दिया है। बीसीसीआई मतलब मोदी। बीसीसीआई रोट खाने, पानी पीने के लिए भी जैसे मोदी से पूछता है, खासतौर पर पाकिस्तान के मामले में। तनवीर अहमद ने आगे कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहले भी बड़े फैसले लेता रहा है और अब भी उसे ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि, ये टूर्नामेंट खेलने से किसी बोर्ड ने मना नहीं किया है।

कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इस खिलाड़ी के सिर फोड़ा सीएसके की हार का ठीकरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी निरंतरता और उत्कृष्टता से सभी को प्रभावित किया है। पांच खिताब, कई प्लेऑफ और सबसे बड़ी बात ये कि जिन सीजनों में चेन्नई सुपर किंग्स ने हिस्सा लिया उनमें कभी भी लगातार दो साल तक वे फाइनल में पहुंचने से चूके नहीं। हालांकि, 2025 का सीजन इस ने एक अप्रत्याशित मोड़ लेकर आया, जब सीएसके न केवल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। बल्कि पहली बार पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर पहुंचने का खतरा मंडराने लगा।

2024 की निराशा 2025 में भी जारी रही। दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सीएसकेको मिला 6 विकेट की हार के बाद, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी नाराजगी छिपाई नहीं। पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि, हमारा इस सीजन का प्रदर्शन ऐसा ही रहा है, जैसा कि तालिका में हमारी स्थिति दर्शाती है। हम इससे बच नहीं सकते। लेकिन हम बेहतर प्रदर्सन करना चाहते हैं जो हमारी टीम की क्षमता को दर्शाए।

प्लेऑफ की दौड़ से दो हफ्ते पहले ही बाहर होने के बाद सीएसके केबाकी मैच

केवल औपचारिकता बनकर रह गए। इसके बावजूद, फ्रेंचाइजी ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को मौका देना शुरू किया। फ्लेमिंग ने जोर देकर कहा कि भले ही प्लेऑफ की संभावना खत्म हो गई हो लेकिन टीम का फोकस और मनोबल कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि, हम निचले स्थान पर रहना पसंद नहीं करते लेकिन ये हमारी प्रेरणा नहीं है। हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और सीजन के अंत में कम से कम एक बेहतरीन प्रदर्शन के साथ खत्म करना चाहते हैं।

सीएसके की इस सीजन की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। शुरुआती मैचों में पावरप्ले में रन बनाने में नाकामी और पूरे इनिंग में इरादे की कमी ने टीम को मुश्किल में डाला। शुरुआती मैचोंमें पावरप्ले में रन बनाने में नाकामी और पूरे इनिंग में इरादे की कमी ने टीम को मुश्किल में डाला। हाल के मैचों में युवा खिलाड़ियों के शामिल होने से बल्लेबाजी में कुछ तेजी आई, लेकिन फिर भी बल्लेबाजी क्रम में कई खामियां साफ दिखाई देती हैं। आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए उम्मीद जगाई है लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से ज्यादा समर्थन की जरूरत है। बल्लेबाजी के अलावा, सीएसके की गेंदबाजी भी इससीजन में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। प्रमुख तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना, जो पिछले कुछ सालों में टीम के लिए अहम रहे, इस बार 10 से ज्यादा की इकॉनमी रेट के साथ संघर्ष करते दिखे। उनकी नई गेंदबाजी एक्शन और नियंत्रण में कमी ने उन्हें मुश्किल में डाला। फ्लेमिंग ने हालांकि, पाथिराना की आलोचना करने से परहेज किया और कहा कि, वह उस स्तर पर नहीं हैं जहां हम या वह चाहते हैं।

शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 24 मई को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है। इसी दिन नये कप्तान का भी पता चलेगा। माना जा रहा है कि चयन समिति के बैठक के बाद शनिवार को बीसीसीआई टीम की घोषणा के साथ ही मीडिया से भी बात करेगा। इसके बाद ही पता चलेगा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की जगह किनको अवसर मिलेगा। नये कप्तान की दौड़ में जसप्रीत बुमराह , शुभमन गिल और ऋषभ पंत दावेदार हैं।

बुमराह का दावा इसलिए कमजोर माना जा रहा है क्योंकि वह चोटिल होते रहते हैं जबकि बीसीसीआई चाहता है कि कप्तान सभी मैच खेले। वहीं शुभमन का दावा इसलिए कमजोर है क्योंकि कई चयनकर्ताओं का मानना है कि अभी शुभमन की टेस्ट टीम में जगह ही पक्की नहीं है तो उन्हें

कैसे कप्तान बनाया जा सकता है। अभी यह सामने नहीं आया है कि बीसीसीआई इस भूमिका के लिए किसका चयन करता है हालांकि जो भी नया कप्तान बनेगा उसकी राह आसान नहीं होगी क्योंकि इंग्लैंड के हालातों में खेलना आसान नहीं होता है। साल 2007 के बाद से ही भारतीय टीम ने इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। इसी सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियशिप का नया दौर भी शुरु होगा।

जीडीसी में छात्राओं का हंगामा, कॉलेज प्रबंधन पर गलत पेपर लेने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के शासकीय कन्या महाविद्यालय जीडीसी में परीक्षा देने पहुंची छात्राओं ने उस वक्त हंगामा शुरू पर दिया जब उन्हें पता चला कि जो पेपर उनसे लिया जा रहा है वह उनके सब्जेक्ट ही नहीं है। परीक्षा देने पहुंची छात्राओं ने पहले तो प्रबंधन से आमने-सामने बात करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो उन्होंने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया।

छात्राओं का कहना था कि आज ह्यूमन राइट्स का पेपर उन्हें वितरित किया जा रहा है, जो उनका सब्जेक्ट ही नहीं है। उनका कहना था कि कॉमर्स ग्रुप की छात्राएं ह्यूमन राइट्स सब्जेक्ट ले ही नहीं सकती तो फिर उनका पेपर कैसे लिया जा रहा है। छात्राओं ने यह भी कहा कि उनके द्वारा पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई की गई और उनके ग्रुप में भी उसी की पढ़ाई की जाती है, जो कला संकाय का विषय है। लेकिन कॉलेज प्रबंधन ह्यूमन राइट का पेपर देने को मजबूर कर रहा है। वहीं इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि बच्चों ने गलती से सब्जेक्ट गलत भर दिया है, लेकिन आज इसका पेपर नहीं है और 2 तारीख को परीक्षा ली जाएगी। जबकि छात्राओं का कहना है कि 2 जून को फाउंडेशन का पेपर है और कॉलेज उन्हें भ्रमित कर रहा है।

सतना में मिला जिप्स इंडिकस प्रजाति का घायल गिद्ध

इलाज के लिए मुकुंदपुर जू सेंटर भेजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के महदेवा इलाके में गुरुवार सुबह एक दुर्लभ प्रजाति का घायल गिद्ध मिला। स्थानीय निवासी अमित ने वन मंडल अधिकारी को इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके घर के पास एक गिद्ध गिर गया है और उड़ने में असमर्थ है। वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उड़नदस्ता प्रभारी के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा।

रेस्क्यू प्रभारी अरविंद्र सिंह और ब्रजेश मिश्रा ने घायल गिद्ध को सुरक्षित बचा लिया। जांच में पता चला कि यह गिद्ध जिप्स इंडिकस प्रजाति का है। यह प्रजाति पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मृत मांस को खाकर प्राकृतिक सफाई में योगदान देने वाला यह पक्षी अब विलुप्त होने की कगार पर है।

वन मंडल अधिकारी के निर्देश पर गिद्ध का प्रारंभिक परीक्षण किया गया। बेहतर इलाज के लिए उसे मैहर वन मंडल के मुकुंदपुर जू सेंटर भेजा गया है। वहां गिद्ध का मेडिकल चेकअप और उपचार किया जाएगा। आसमान में उड़ने वाले गिद्ध को जमीन पर देखने के लिए वहां स्थानीय लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी।

ऐतिहासिक अजब कुंवरी बावड़ी के बहुरेंगे दिन, होगा जीर्णोद्धार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गुढ़ चौराहे पास स्थति में अजब कुंवरी बावड़ी के दिन बहुरने वाले हैं। दरअसल, राजशाही जमाने में तामीर हुई करीब 400 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक अजब कुंवरी बावड़ी का जीर्णोद्धार होने जा रहा है। जर्जर हो चुकी इस धरोहर के संरक्षण के लिए नगर निगम ने 55 लाख रुपए की योजना बनाई है। नगर निगम कमिश्नर सौरभ सोनवडे ने बताया कि बावड़ी के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए इसके जर्जर ढांचे का पुनर्निर्माण किया जाएगा, साथ ही यहां पर एक पार्क बनाया जायेगा । बताया जाता है कि, बघेल राजवंश के महाराजा भाव सिंह की महारानी अजब कुंवरी ने सन 1664-70 के बीच इस बावड़ी का निर्माण करवाया था। राजस्थान और मालवा की स्थापत्य शैलियों से प्रभावित यह बावड़ी राजा-रानी की जलक्रीड़ा के लिए बनाई गई थी। इसके निर्माण के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से कारीगरों को बुलाया गया था।

अजब कुंवरी बावड़ी के प्रथम तल में एक वर्गाकार छोटा कक्ष है, जिसमें चारों ओर खिड़कियां हैं। एक खिड़की की नोक तुर्क शैली की है, जो जलक्रीड़ा देखने के लिए बनाई गई थी। यह स्थान स्वाभाविक रूप से वातानुकूलित है और गर्मी में भी यहां ठंडक बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्तमान में बावड़ी के संरक्षण के नाम पर केवल पुरातत्व विभाग का एक बोर्ड लगा है। रखरखाव के अभाव में यह स्थान नशेड़ियों का अड्डा बन गया है।

तीन दिन संगठन को लेकर करेंगे मंथन

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे रीवा, एसपी सहित 300 जवान सुरक्षा में तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत गुरुवार को तीन दिवसीय दौरे पर रीवा पहुंचे। भागवत दोपहर 12 बजे बेला से सड़क मार्ग होते हुए शहर पहुंचे। वह यहां संगठनात्मक रणनीतियों की समीक्षा और उन्हें सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आए है।

प्रवास के दौरान भागवत वरिष्ठ आरएसएस सदस्यों से मिलेंगे, रणनीति चर्चाओं में भाग लेंगे और स्वयंसेवकों से बातचीत करेंगे। उनके कार्यक्रम में आरएसएस की शाखाओं का दौरा, जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण सत्र और राज्य भर में संघ की गतिविधियों की समीक्षा शामिल है।

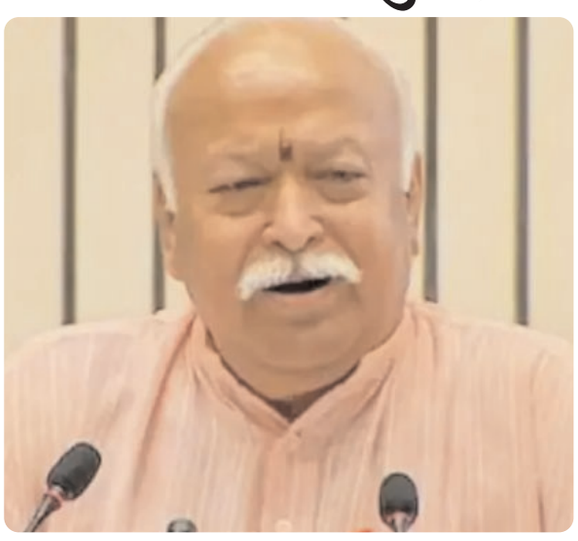

जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त आरएसएस प्रमुख की सुरक्षा में दो सीएसपी, एडिशनल एसपी और एसपी विवेक सिंह खुद तैनात हैं। शहर भर में सभी थानों के लगभग 300 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। सड़कों पर बैरिकेडिंग की गई है। निराला नगर स्थित सरस्वती विद्यालय और बैठक स्थल पर संघ कार्यकर्ताओं के अलावा किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

चिल्लाचोट कर रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया: मैहर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के आगमन के दौरान चिल्लाचोट कर रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक आवाजाही रोकने से नाराज था। गुरुवार सुबह 11 बजे भागवत रेल मार्ग से मैहर पहुंचे थे। जैसे ही उनका काफिला स्टेट बैंक चौराहे पहुंचा युवक वहां से भाग गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार सुबह 11 बजे जनता एक्सप्रेस से से मैहर पहुंचे। यहां से वे कार से रीवा के लिए रवाना हो गए। भागवत रीवा में आयोजित आरएसएस के तीन दिवसीय शिविर में शिरकत करेंगे।

भागवत के आगमन की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर था। मैहर रेलवे स्टेशन पर भागवत के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। स्टेशन पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था। स्टेशन के एक हिस्से को ब्लॉक कर दिया गया। आस-पास के चौराहों पर यातायात को रोक दिया गया। सुरक्षा घेरे में उन्हें कार तक ले जाया गया। भारी सुरक्षा के बीच वे सड़क मार्ग से रीवा के लिए रवाना हो गए।

सतना में अवैध लकड़ी के टालों पर एनजीटी की सख्ती

नगर निगम से मांगा 6 हफ्ते में जवाब; 16 साल पहले कलेक्टर ने दिए थे हटाने के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना नगर निगम क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे लकड़ी के टालों के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी की मध्य क्षेत्रीय पीठ (भोपाल) ने सतना नगर निगम से इस संबंध में 6 हफ्तों के भीतर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामला 15 साल पुराना है, जब तत्कालीन कलेक्टर ने आवासीय क्षेत्रों से ऐसे टालों को हटाने का आदेश दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायतकर्ता और आरटीआई एक्टिविस्ट महेंद्र सिंह चौहान ने एनजीटी को बताया कि सतना शहर के आवासीय इलाकों में नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए लकड़ी के टाल संचालित हो रहे हैं। इन टालों में भारी मशीनों के माध्यम से चिराई होती है, जिससे लगातार धूल, धुआं और ध्वनि प्रदूषण फैलता है। चौहान का कहना है कि स्थानीय रहवासियों को दिन-रात इन मशीनों की आवाज और धूल से सांस लेने में तकलीफ तक हो रही है।

इस मामले में एनजीटी की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई, जिसमें न्यायमूर्ति शिवकुमार सिंह ने नगर निगम सतना से 6 सप्ताह में जवाब मांगा है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि यदि पुराने आदेशों का पालन नहीं हुआ है, तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी।

चौहान ने अपने आवेदन में सवाल उठाया है कि जब इन टालों को कोई विधिवत अनुमति प्राप्त नहीं है, तो इन तक लकड़ी की आपूर्ति कैसे हो रही है? क्या इसकी जांच हुई है? बिना मानकों के चल रही इन इकाइयों से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं आसपास रहने वालों का जीवन भी संकट में है।

साल 2009 में सतना के तत्कालीन कलेक्टर सुखबीर सिंह ने आदेश दिया था कि शहर में स्थित शॉ मिल और टाल आवासीय इलाकों से हटाए जाएं। उन्होंने चेताया था कि घनी बस्तियों में संचालित ये टाल मानवीय जीवन के लिए खतरनाक हैं, विशेषकर आगजनी जैसी घटनाओं के दौरान। कलेक्टर के आदेश के बावजूद नगर निगम की निष्क्रियता से यह स्थिति अब और गंभीर हो गई है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के सामने से बाइक चोरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में दिन दहाड़े फिर एक बाइक चोरी की घटना सामने आई है। दरअसल ये घटना अमहिया थाना क्षेत्र के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के गेट के पास की है। आरोपी पलक झपकते वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। ये घटना गुरुवार सुबह करीब 10 बजे की है। जहां आरोपी पहले आकर बाइक में बैठता है और काफी समय तक बाइक को हिलाता-डुलाता है और कुछ ही देर बाद वो बाइक लेकर फरार हो जाता है। ये पूरी घटना आसपास लगे सीसी टीवी कैमरे में क़ैद हो गई। घटना के संबंध में फोर्ट रोड निवासी दुर्गेश लखेरा ने बताया कि वो गैस चूल्हा बनाने का काम करता है और अस्पताल गेट के बगल में वो दुकान के अंदर काम कर रहा था और जब बाहर निकला तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। फरियादी के द्वारा संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है जिस पर पुलिस ने फुटेज के आधार पर अब आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जेल महानिदेशक ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।जेल महानिदेशक जीपी सिंह ने केन्द्रीय जेल रीवा का निरीक्षण किया। जेल महानिदेशक ने निरीक्षण के दौरान जेल के विभागीय मद से कराए गए निर्माण कार्यों एवं नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ किया। जेल महानिदेशक ने केन्द्रीय जेल के बंदी वार्डों, जेल अस्पताल एवं पाकशाला का भ्रमण किया। महानिदेशक ने बंदियों को स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त एवं नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बंदियों की अधिक संख्या के कारण महानिदेशक ने अतिरिक्त बैरक निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। जेल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने जेल अधीक्षक को सीवीसी एनालाईजर मशीन खरीदने का प्रस्ताव तत्काल भेजने के निर्देश दिए।

सभी पंचायतों में 24 मई को ई केवाईसी के लिए होगी विशेष ग्राम सभा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की शत-प्रतिशत ई केवाईसी की जा रही है। इसके लिए 24 मई शनिवार को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि ग्राम सभा आयोजन के लिए तत्काल सूचना जारी कर दें। निर्धारित तिथि में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कराकर उसमें उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन और समिति सेवक राशन कार्ड में दर्ज सभी व्यक्तियों की ई केवाईसी करा लें। ग्राम सभा में मृत हितग्राहियों, विषमता परिवार के सदस्यों और स्थाई रूप से पलायन करने वाले सदस्यों की सूची का भी वाचन कर दें। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक मृतक, डुप्लीकेट नाम तथा विषमता परिवार के सदस्यों के नाम राशन मित्र पोर्टल से पृथक करने की कार्यवाही करें। ई केवाईसी शत-प्रतिशत अपडेशन तथा अपात्रों के नाम काटने की कार्यवाही 26 मई तक पूरी करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा है कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम सभाओं के आयोजन की तत्काल व्यवस्था कराएं।

हितग्राहियों का ई केवाईसी सात दिनों में शत-प्रतिशत पूरा करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन की विकासखण्डवार तथा समितिवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी समिति प्रबंधक उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन तथा उचित मूल्य दुकान चलाने वाले स्वसहायता समूह हितग्राहियों की शत-प्रतिशत ई केवाईसी सात दिवस में कराएं। इसके लिए 24 मई को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जो व्यक्ति पात्र पाए जाएं उनके ई केवाईसी दर्ज कराएं। विषमता परिवार, मृतक, डुप्लीकेट तथा अपात्र हितग्राहियों के नाम राशन मित्र पोर्टल से काटने की भी कार्यवाही करें। ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा सेल्समैन मिलकर अपात्रों के नाम पोर्टल से 26 मई तक अनिवार्य रूप से पृथक कराएं। स्थाई रूप से पलायन करने वाले परिवारों के नाम भी पोर्टल से पृथक करें। जिले में एक जून से राशन वितरण की ऑनलाइन प्रणाली लागू की जा रही है। जिन हितग्राहियों का ई केवाईसी नहीं होगा उन्हें जून माह से राशन नहीं मिलेगा। इसलिए

सभी हितग्राहियों की ई केवाईसी सात दिनों में अनिवार्य रूप से कराएं। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अभी आप सबके पास सात दिनों का समय है। इसमें रात-दिन काम करके ई केवाईसी का लंबित कार्य पूरा करा लें। आवंटित खाद्यान्न का हर माह वितरण 95 प्रतिशत से अधिक हो रहा है। इसलिए ई केवाईसी भी 95 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। अपात्र व्यक्तियों के नाम काटने की कार्यवाही तत्परता से करें। जून माह से स्मार्ट राशन प्रणाली लागू होने के बाद ई केवाईसी के अभाव में यदि हितग्राही खाद्यान्न से वंचित होते हैं तो सेल्समैन समिति प्रबंधक, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। अपात्रों को खाद्यान्न वितरण की वसूली की भी कार्यवाही की जा सकती है। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को 24 मई को विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने ई केवाईसी में लापरवाही बरतने पर उचित मूल्य दुकान अतरैला, लूक, पटेहरा के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। ई केवाईसी की मानीटरिंग में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर ने आजीविका मिशन के ब्लाक समन्वयक जवा को नोटिस देकर उसके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समिति प्रबंधकों को आगामी दो माह तक ऋणों की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने तथा बड़े बकायादारों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी, प्रभारी उपायुक्त सहकारिता, सभी सीएमओ, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समिति प्रबंधक तथा उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन उपस्थित रहे।

नलजल योजना की संचालन और संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत उठाएं

पंचायतें वाल्व आपरेटरों को समय पर वेतन दें और कार्य कराएं - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि समूह नलजल योजनाओं का कार्य जिन ग्रामों में पूरा हो गया है वहाँ हर घर में नल का कनेक्शन देकर पानी की प्रतिदिन आपूर्ति कराएं। जिन गांवों में अभी भी कनेक्शन शेष है वहाँ 15 दिवस में सभी घरों में कनेक्शन करा दें। पानी की नियमित आपूर्ति के साथ जल कर की भी वसूली करें। नलजल योजनाओं के संचालन और संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतें उठाएं। ग्रामवासियों को पेयजल की आपूर्ति ग्राम पंचायत की ही जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी तरह की कठिनाई आने पर जल जीवन मिशन की एजेंसी ग्राम पंचायतों को पूरा सहयोग करे। वाल्व आपरेटरों की लापरवाही के कारण गांवों में पानी के वितरण में कठिनाई आ रही है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उन सभी गांवों में वाल्व आपरेटर की नियुक्ति तत्काल कर दें जहाँ नलजल योजनाएं संचालित हैं। इन्हें ग्राम पंचायतों के माध्यम से नियमित रूप से वेतन का भुगतान करते हुए वाल्व आपरेशन का कार्य कराएं। वाल्व आपरेटर को समय पर वेतन नहीं मिला तो जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी वेतन नहीं मिलेगा।

कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में जलजीवन मिशन द्वारा नल जल योजना की पाइप लाइन की जियो टैगिंग करके नक्शे उपलब्ध कराए गए हैं। ग्राम पंचायत में कोई भी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले उपयंत्री इन नक्शों को अवश्य देखें। जहाँ पाइप लाइन चिन्हित की गई हैं वहाँ निर्माण कार्य न कराएं। निर्माण कार्यों के कारण जिन स्थानों में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई है वहाँ के उपयंत्रियों को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कारण बताओ नोटिस दें। पंचायत के निर्माण कार्य के कारण यदि पेयजल की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होती है तो उसके सुधार का कार्य भी ग्राम पंचायत ही करे। इसके लिए जल कर की राशि और 15वें वित्त की राशि का उपयोग करें। जल जीवन मिशन की निर्माण एजेंसियाँ सुधार कार्य में ग्राम पंचायतों को सहयोग करेंगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नलजल योजनाओं के संचालन और संधारण की स्वयं निगरानी करें। कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नलजल योजनाओं के संचालन में लापरवाही बरतने पर नोटिस देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बाणसागर समूह नलजल योजना तथा टमस समूह नलजल योजना के कार्य में तेजी लाएं। टमस समूह नलजल योजना के निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी रहने पर कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई। कलेक्टर ने कहा कि टमस समूह नलजल योजना का कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा होना है। इसकी मंथवार प्रगति की कार्ययोजना बनाएं। उसके अनुरूप प्रगति न होने पर निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही करें। बैठक में जल जीवन मिशन के जिला प्रबंधक चित्रांशु ने बताया कि कदैला समूह नलजल योजना से रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की 51 तथा गंगेव विकासखण्ड के 13 गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। बाणसागर समूह नलजल योजना में इंटेक वेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य एक माह में पूरा हो जाएगा। अगस्त माह तक 47 टंकियों का निर्माण करके पेयजल की आंशिक आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। टमस समूह नलजल योजना में इंटेक वेल और टंकियों का निर्माण संतोषजनक नहीं है। निर्माण एजेंसी को अतिरिक्त मजदूर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। सतना बाणसागर समूह नलजल योजना में 52 स्वीकृत टंकियों में से 34 टंकियों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। दिसम्बर माह तक टंकी और पाइप लाइन का कार्य पूरा हो जाएगा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल बीके शुक्ला, नीतेश सिंह, जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनसीईआरटी की जगह निजी किताबें चलाने पर 17 प्राइवेट स्कूलों पर जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में एनसीईआरटी की किताबों की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें चलाने वाले स्कूलों पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने 17 प्राइवेट स्कूलों पर कुल 36 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अभिभावकों की शिकायतों के बाद कलेक्टर ने दो जांच टीमें गठित की थीं। एक टीम का नेतृत्व एसडीएम राहुल सिलाडिया और दूसरी का एसडीएम स्वप्निल वानखेड़े कर रहे थे। शिक्षा विभाग की अलग टीम में डीईओ, एडीपीसी आलोक सिंह और मान्यता प्रभारी राजीव अर्गल शामिल थे।जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह ने बताया कि स्कूलों से मांगी गई किताबों की चेक लिस्ट का पोर्टल से मिलान किया गया। जांच में पाया गया कि कोई भी स्कूल एनसीईआरटी की किताबें नहीं चला रहा था। साथ ही स्कूल यूनीफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने का दबाव भी बना रहे थे।

इन स्कूलों पर लगा जुर्माना: दंडित स्कूलों में माउंट लेट्रा जी, ब्लूम्स एकेडमी, सेंट माइकल, एकेडमिक हाइट्स, द विट्स स्कूल, डी पॉल स्कूल, प्रियाम्बदा बिरला, चाणक्य पब्लिक, क्राइस्ट ज्योति, बोनांजा कान्वेंट, दिल्ली पब्लिक, सीएमए, भारतीय विद्या भवन, सदगुरु पब्लिक और स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल पर 2-2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। गुरुकुलम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकुरिया टोला पर 4 लाख का अर्थदंड लगा है।

कलेक्टर ने सभी स्कूलों को 7 दिन के अंदर जुर्माने की राशि जिला शिक्षा विभाग के खाते में जमा करने और पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।